INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-251 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, बुधवार, 4 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गांव की सरकार में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी, बनेंगी आत्मनिर्भर

यूनिक समय, मथुरा। गांवों के विकास की योजनाओं में अब महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। पंचायती राज मंत्रालय की आदर्श महिला हितैषी ग्राम पंचायत पहल के तहत महिलाओं को पंचायत के निर्णयों से जोड़ने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य गांवों में ऐसा माहौल तैयार करना है, जहां महिलाएं केवल सरकारी योजनाओं की लाभार्थी न रहें, बल्कि विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएं। इसके लिए प्रत्येक जिले में कम से कम एक आदर्श महिला हितैषी ग्राम पंचायत विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। मथुरा में इस पहल के तहत दो ग्राम पंचायतों का चयन किया जाएगा।



इस पहल में बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। स्कूल छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या कम करने और उनकी पढ़ाई लगातार जारी रखने के प्रयास होंगे। महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने, मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और गर्भवती महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर ध्यान दिया जाएगा।

आदर्श महिला हितैषी ग्राम पंचायत पहल से बदलेगी गांवों की तस्वीर

मथुरा में दो ग्राम पंचायतों का चयन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर रहेगा जोर

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय किया जाएगा। समूहों को बैंक ऋण से जोड़कर बकरी पालन, मुर्गी पालन और छोटे कारोबार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए गांव में ही रोजगार के अवसर तैयार होंगे और परिवार की आमदनी बढ़ाने में उनकी भूमिका मजबूत होगी। पंचायत की बैठकों और विकास संबंधी निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना भी पहल का अहम हिस्सा है।

महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनों की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही महिला सुरक्षा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने, सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने और महिला अपराधों में कमी लाने के प्रयास किए जाएंगे।

मुख्य विकास अधिकारी डा. पूजा गुप्ता के अनुसार, पंचायती राज मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य गांवों में महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मथुरा में फरह क्षेत्र की बरारी और बल्देव में अवैरनी ग्राम पंचायत का चयन हुआ है, महिला के उत्थान से जुड़े काम कराए जाएंगे।

इन मानकों पर परखी जाएगी पंचायत

आदर्श महिला हितैषी ग्राम पंचायत के चयन और मूल्यांकन में बालिका शिक्षा, संस्थागत प्रसव, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक गतिविधियां, पंचायत बैठकों में महिलाओं की भागीदारी और महिला सुरक्षा जैसे संकेतकों को आधार बनाया जाएगा। इन मानकों पर बेहतर प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को आदर्श रूप में विकसित किया जाएगा।

इंचार्ज प्रधानाध्यापक तैनाती में शिक्षक नेताओं ने भी फिट की गोटी

चहेतों को मनमाफिक स्कूल दिलाने के लिए दिखाया संगठन का रुतबा

शिकायतों पर डाला पर्दा तीन सदस्यीय समिति करेगी पूरे खेल की पड़ताल

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग में इंचार्ज प्रधानाध्यापक की तैनाती का खेल केवल विभागीय अधिकारियों तक सीमित नहीं रहा। इसमें शिक्षक संगठनों के नेताओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि संगठन और पद का प्रभाव दिखाकर शिक्षक नेताओं ने अपने चहेते शिक्षकों को मनमाफिक विद्यालयों में तैनाती दिलाने के लिए जोर लगाया। यहां तक कि कुछ शिक्षकों को ब्लाक बदलकर उनके गृह क्षेत्र के विद्यालयों में पहुंचवा दिया गया। वहीं, तैनाती में मनमानी को लेकर उठी शिकायतों को भी नजरअंदाज कर दिया गया।



जानकारों के मुताबिक हाईकोर्ट के निर्देश पर तैनाती प्रक्रिया शुरू होने के दौरान शिक्षकों से सहमति और असहमति के आवेदन मांगे गए थे। इसी बीच शिक्षक संगठनों के कुछ पदाधिकारी सक्रिय हो गए। आरोप है कि उन्होंने अपने करीबी शिक्षकों को मनचाहे विद्यालय दिलाने के लिए पैरवी की। दूसरी ओर, सहमति के आधार पर तैनाती के लिए आए आवेदनों को दरकिनार कर दिया गया। इसके बाद उपकृत किए गए शिक्षकों की सूची जारी कर दी गई।

खबर प्रकाशित होते ही निरस्त हुई सूची

तैनाती में गड़बड़ी का मामला यूनिक समय ने प्रमुखता से उठाया तो विभाग में खलबली मच गई। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता की सख्ती के बाद सूची निरस्त कर दी गई। शिकायतों और प्रकाशित समाचारों का संज्ञान लेते हुए डीएम के अनुमोदन पर तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण की अध्यक्षता वाली समिति में डायट के उप प्राचार्य और वरिष्ठ कोषाधिकारी शामिल हैं। समिति यह जांचेगी कि शिक्षकों की सहमति ली गई थी या नहीं, संबंधित विद्यालयों में पद रिक्त थे या नहीं और ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में तैनाती का औचित्य क्या था। संबंधित अधिकारियों को छह नवंबर सुबह 11 बजे तक सहमति पत्र, नियुक्ति आदेशों की मूल पत्रावली, अभिलेख और डिस्पैच रजिस्टर सहित अपना पक्ष प्रस्तुत करना है। अब जांच में शिक्षक नेताओं की कथित पैरवी और विभागीय कार्यप्रणाली की भी परतें खुलने की उम्मीद है।

दीपावली और छठ पूजा पर स्पेशल ट्रेन का होगा संचालन

6 से 20 नवंबर तक चलेगी विशेष ट्रेन

मथुरा जंक्शन पर दोपहर 2:05 बजे पहुंचेगी

शाम 5:10 बजे जंक्शन से सोगरिया के लिए होगी रवाना

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस अनारक्षित ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह विशेष ट्रेन छह नवंबर से 20 नवंबर तक चलाई जाएगी। ट्रेन के संचालन से त्योहार पर अपने घर जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

रेलवे द्वारा संचालित इस ट्रेन में दो एसएलआरडी और 10 सामान्य कोच लगाए गए हैं। ट्रेन सुबह 8:30 बजे सोगरिया से रवाना होकर दोपहर 2:05 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। इसके बाद मथुरा जंक्शन से शाम 5:10 बजे रवाना होकर रात 10:50 बजे सोगरिया पहुंचेगी। त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ दीपावली और छठ पूजा मनाने के लिए घरों की ओर रवाना होते हैं। ऐसे में नियमित ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। रेलवे द्वारा अतिरिक्त ट्रेन चलाए जाने से यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। अनारक्षित ट्रेन होने के कारण सामान्य श्रेणी में सफर करने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

इंटरसिटी एक्सप्रेस को मिला विस्तार

गोवर्धन पूजा, दीपावली, भाईदूज को देखते हुए रेलवे ने नई दिल्ली-आगरा कैंट इंटरसिटी एक्सप्रेस को पांच से 15 नवंबर तक ग्वालियर के लिए विस्तार दिया गया है। जिसका सीधा लाभ त्योहार के दौरान इस रूट पर जाने वाले यात्रियों को मिलेगा।

चिंता — दीपावली अभी दूर, जहरीली होने लगी मथुरा की आबोहवा

बारिश के बाद 73 पर था एक्यूआई, अब 299 पहुंचा

दिल्ली-एनसीआर में चार सौ पार पहुंचा एक्यूआई मथुरा में भी बढ़ने लगी चिंता

सेहत के लिए खतरनाक हो सकती है हवा

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली में अभी कई दिन बाकी हैं, लेकिन मथुरा की हवा अभी से प्रदूषित होने लगी है। बुधवार सुबह प्रदूषण का स्तर तीन सौ के आंकड़े के करीब पहुंच गया। सुबह 10 बजे फरह से मथुरा मंडी चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट तक एक्यूआई 299 दर्ज किया गया। प्रदूषण का यह स्तर सेहत के लिए खतरनाक होने लगा हैं, इससे सांस के रोगियों को परेशानी होने लगी है।

तीन दिन पहले हुई बारिश और तेज हवा के बाद प्रदूषण का स्तर घटकर 73 पर आ गया था। यह स्तर कृष्णानगर चौराहे का था। इसके बाद मौसम साफ रहने के बावजूद हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आई है। आज सुबह से वातावरण में धूल और धुएं की धुंध छाई रही। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियां प्रदूषण बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। खेतों में कृषि कार्य भी जारी हैं। हल्की ठंडक के बीच वातावरण में धूल और धुएं का असर साफ दिखाई देने लगा है।



बुधवार सुबह हाइवे के सर्विस मार्ग को साफ करती मशीन की वजह से उड़ती धूल।

मौसम विशेषज्ञ डा. नरेंद्र कुमार का मानना है कि दीपावली तक प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है। मौजूदा परिस्थितियां बनी रहीं तो मथुरा का एक्यूआई 400 तक पहुंचने की आशंका है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर पहले ही चार सौ के पार पहुंच चुका है। मौसम में बदलाव, हवा की गति कम होने और विभिन्न स्रोतों से निकलने वाले प्रदूषक तत्वों के कारण प्रदूषण बढ़ने की स्थिति बन सकती है।

फिजीशियन डा. आरएन गर्ग के अनुसार एक्यूआई 299 तक पहुंचना सेहत के लिहाज से चिंताजनक है। इस स्तर पर हवा में मौजूद प्रदूषक कण सांस के जरिए शरीर में पहुंचकर परेशानी बढ़ा सकते हैं। अस्थमा और हृदय रोगियों के साथ बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। सांस लेने में दिक्कत, खांसी, गले में खराश और आंखों में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि अनावश्यक रूप से खुले में निकलने से बचें और धूल-धुएं के संपर्क में आने से दूरी बनाए रखें।



यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 1789 चालान



स्कूल बसों को चेक करते प्रभारी निरीक्षक शौर्य कुमार।


मोटरसाइकिल की चेकिंग करते सीओ भूषण वर्मा।

शहर से देहात तक चला चेकिंग अभियान, स्कूल बसों की भी जांच

बिना हेलमेट, नंबर प्लेट और वैध कागजात के वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। यातायात माह के दूसरे दिन ट्रैफिक पुलिस ने शहर से लेकर देहात तक नियमों की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। प्रमुख चौराहों पर हुई चेकिंग से वाहन चालकों में खलबली मची रही। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1789 वाहनों के चालान किए।

ट्रैफिक निरीक्षक शौर्य कुमार ने बताया कि यातायात माह का उद्देश्य वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करना और लापरवाही से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। इसके लिए शहर, वृंदावन और देहात क्षेत्रों में अभियान चलाया गया।

गोवर्धन चौराहा, मंडी चौराहा, मसानी चौराहा समेत प्रमुख स्थानों पर चेकिंग की गई। बिना हेलमेट, नंबर प्लेट और वैध कागजात के वाहन चलाने वालों के साथ ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत भी दी।

स्कूलों में जागरूकता बसों की जांच

इस्लामियां इंटर कॉलेज, भरतपुर गेट में प्रधानाचार्य और शिक्षकों की मौजूदगी में यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को नियमों की जानकारी दी। छात्रों से अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गई। वहीं प्रभारी निरीक्षक यातायात शौर्य कुमार ने स्कूली बसों और अन्य वाहनों की जांच कर चालक-परिचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल के साथ नशे में वाहन न चलाने का संदेश भी दिया गया।

त्योहारों से पहले पुलिस का शिकंजा चौराहों पर सघन चेकिंग

यूनिक समय, छाता। आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने बुधवार को बरसाना चौराहे और गोवर्धन चौराहे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। सीओ छाता भूषण वर्मा के नेतृत्व में हुई कार्रवाई से वाहन चालकों में खलबली मची रही।

पुलिस टीम ने चौराहों से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर जांच की। इस दौरान दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाकर चलने वालों, बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों और तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। बिना नंबर प्लेट या अस्पष्ट नंबर प्लेट वाले वाहनों को भी रोककर जांच की गई और चालान काटे गए। सीओ भूषण वर्मा ने कहा कि त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है।

सीओ छाता के नेतृत्व में चला अभियान, नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के काटे चालान

ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट और अस्पष्ट नंबर प्लेट वाले वाहन निशाने पर



नाली-खड़ंजे में उलझे प्रशासक पांच माह में 98 पंचायतों के प्रस्ताव

यूनिक समय, मथुरा। गांवों में नाली-खड़ंजे के काम कराने की चाहत और प्रशासन की तय प्राथमिकताओं के बीच ग्राम पंचायतों के प्रशासक उलझ गए हैं। प्रधानी का कार्यकाल खत्म होने के बाद प्रशासक बने पूर्व प्रधान अनिवार्य कार्यों के बजाय अपनी पसंद के विकास कार्यों को प्राथमिकता देना चाहते हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि पहले तालाबों की सफाई, पंचायत सचिवालयों का कायाकल्प और अन्य निर्धारित कार्य कराने होंगे।

इस खींचतान का असर यह है कि पांच माह में जिले की केवल 98 ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव ही विकासखंड स्तरीय समितियों के माध्यम से पहुंच सके हैं। छाता, नंदगांव और चौमुहा से तो महज दो पंचायतों ने प्रस्ताव भेजे हैं।

ग्राम पंचायतों में प्रशासकों के माध्यम से कराए जाने वाले कार्यों की समीक्षा में प्रस्तावों की धीमी रफ्तार सामने आई। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता के निर्देश पर प्रत्येक ग्राम पंचायत में आबादी के तालाबों की डिवाटरिंग, डिसिल्टिंग और उन्हें प्लास्टिक मुक्त बनाने का काम अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा तीन कमरे से अधिक वाले पंचायत सचिवालयों का कायाकल्प, तीन हजार से अधिक आबादी वाली पंचायतों में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण और निर्मित लाड़ली वन में गेट लगवाने के कार्य प्राथमिकता में रखे गए हैं।

डीपीआरओ कार्यालय के अनुसार, अब तक प्राप्त प्रस्तावों में करीब 300 कार्यों को स्वीकृति दी जा चुकी है। वहीं, 31 ग्राम पंचायतों के प्रस्तावों को सोमवार तक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके बावजूद पांच माह में महज 98 पंचायतों से प्रस्ताव आना प्रशासन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

छाता, नंदगांव और चौमुहां से महज दो प्रस्ताव, तालाबों की सफाई और पंचायत सचिवालयों के कायाकल्प जैसे अनिवार्य काम अटके

खासकर छाता, नंदगांव और चौमुहा में प्रस्तावों की बेहद कम संख्या ने प्रशासकों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उधर, दीपावली से पहले सभी ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान चलाने और पर्व पर पंचायत सचिवालयों को सजाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की सख्ती के बाद अब प्रशासकों को तय प्राथमिकताओं के अनुरूप काम कराने होंगे।

दीवाली पर उपहारों से सजे बाजार, महंगाई ने बढ़ाया बजट


दुकान पर बिक्री को रखे डाई फूड के पैकेट।

चॉकलेट, ड्राई फ्रूट्स और मिठाइयों के आकर्षक गिफ्ट पैक की भरमार

कीमतों में बढ़ोतरी से ग्राहक कर रहे बजट के अनुसार खरीदारी

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में उपहारों की रौनक दिखाई देने लगी है। अपनों, रिश्तेदारों और कारोबार से जुड़े लोगों को दीवाली की शुभकामनाओं के साथ उपहार देने की परंपरा को देखते हुए दुकानों पर आकर्षक गिफ्ट पैक सज गए हैं। चॉकलेट, मिठाइयों और ड्राई फ्रूट्स के रंग-बिरंगे पैक ग्राहकों को लुभा रहे हैं। हालांकि इस बार महंगाई ने उपहारों का बजट भी बढ़ा दिया है। कीमतों में इजाफे के चलते ग्राहक बड़े गिफ्ट पैक के बजाय अपनी जेब के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं।

बाजार में छोटे से लेकर बड़े आकार तक के गिफ्ट बॉक्स उपलब्ध हैं। इनमें काजू, बादाम, किशमिश, पिस्ता और अन्य ड्राई फ्रूट्स को आकर्षक पैकिंग में सजाया गया है। चॉकलेट और मिठाइयों के कॉम्बो पैक भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। दुकानदारों ने ग्राहकों की पसंद को देखते हुए अलग-अलग डिजाइन और कीमतों के उपहार तैयार कराए हैं।

ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयों और चॉकलेट की कीमतों में बढ़ोतरी का असर गिफ्ट पैक पर भी दिखाई दे रहा है। आकर्षक पैकिंग और सजावट के कारण उपहारों की कीमत और बढ़ जाती है। ऐसे में ग्राहक खरीदारी से पहले अलग-अलग दुकानों पर कीमतों की तुलना कर रहे हैं। कई लोग महंगे गिफ्ट बॉक्स के बजाय छोटे और किफायती पैक को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं दुकानदारों को उम्मीद है कि दीपावली नजदीक आने के साथ खरीदारी में तेजी आएगी और बाजार की रौनक और बढ़ेगी।

दीपावली पर बाजार में छाईं रंग बिरंगी मालाएं और धार्मिक तस्वीरें



यूनिक समय, मथुरा। दीपावली नजदीक आते ही कान्हा की नगरी के बाजार सजावटी सामान से गुलजार होने लगे हैं। घरों और प्रतिष्ठानों को आकर्षक रूप देने के लिए लोग रंग-बिरंगी मालाओं, फूलों की लड़ियों, नजरबंद और देवी-देवताओं की तस्वीरों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। शहर से लेकर कस्बों तक बाजारों में सजी दुकानों पर ग्राहकों की चहल-पहल बढ़ गई है।

होली गेट स्थित गुरुद्वारे के पास सड़क किनारे सजावटी सामान की दुकान लगाने वाले युवराज ने बताया कि इस बार रंग-बिरंगी और आकर्षक डिजाइन वाली मालाओं के साथ नजरबंद की भी खूब मांग है। लोग मुख्य द्वार, मंदिर और प्रतिष्ठानों को सजाने के लिए अपनी पसंद और बजट के अनुसार सामान खरीद रहे हैं। फूलों और अन्य डिजाइन वाली मालाएं 100 से 2500 रुपये तक बिक रही हैं, जबकि नजरबंद की कीमत 100 से 3500 रुपये तक है। छोटी फूलों वाली मालाएं 10 से 100 रुपये तक उपलब्ध हैं। कोई दरवाजों और खिड़कियों के लिए छोटी मालाएं पसंद कर रहा है तो कोई बड़ी डिजाइनर मालाओं से घरों को सजाने में जुटा है।

वहीं, भगवान की तस्वीरों और पोस्टरों की दुकान लगाने वाले भोला ने बताया कि दीपावली को लेकर इस बार अच्छी बिक्री हो रही है। घरों के मंदिरों और पूजा स्थलों को सजाने के लिए लोग भगवान गणेश, माता लक्ष्मी सहित अन्य देवी-देवताओं की तस्वीरें खरीद रहे हैं। तस्वीरों की कीमत 180 से 1100 रुपये तक है, जबकि पोस्टर 20 से 200 रुपये तक बिक रहे हैं।

10 से 3500 रुपये तक के सजावटी सामान की खूब हो रही बिक्री

कार के बोनट पर मां-बेटी बेखौफ दौड़ी कार, दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र के पानीगांव में रुपयों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में कार सवार युवकों ने मां-बेटी की जान जोखिम में डाल दी। आरोप है कि दोनों महिलाएं कार के बोनट पर बैठ गईं, इसके बावजूद युवकों ने गाड़ी दौड़ा दी। घटना का सीसीटीवी वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लिया। पुलिस ने कार सवार प्रेम और पुनीत को गिरफ्तार कर लिया है। मुकदमे में हत्या के प्रयास की धारा भी बढ़ाई गई है।

घटना दो नवंबर की रात की बताई जा रही है। सीओ सदर वरुण मिश्रा के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच एक मुकदमे को लेकर विवाद चल रहा था। एक पक्ष दूसरे पक्ष के घर मुकदमे में खर्च हुए रुपयों का तकादा करने पहुंचा था। इसी बात पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। आरोप है कि दूसरा पक्ष जब कार से वहां से भागने लगा तो घर की दो महिलाएं कार के बोनट पर बैठ गईं। इसके बावजूद कार सवार युवकों ने गाड़ी तेज गति से दौड़ा दी, जिससे मां-बेटी घायल हो गईं। बताया गया कि आरोपी महिलाओं को मांट रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर डायल 112 और पानीगांव चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। घायल महिलाओं को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। सीओ सदर ने बताया कि मामले में थाना जमुनापार में मुकदमा दर्ज किया गया है। वायरल वीडियो और जांच के आधार पर मुकदमे में हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पानीगांव के वायरल वीडियो के बाद हरकत में आई पुलिस, मुकदमे में हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई

अल्हैपुर में सरकारी जमीन पर कब्जा नगर आयुक्त ने रुकवाया काम

यूनिक समय, मथुरा। गांव अल्हैपुर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण हो रहा था। तहसील का लेखपाल तीन माह से शिकायत को दबाए बैठा था। शिकायतकर्ताओं को टहलाया जा रहा था, प्रार्थना पत्र पर रिपोर्ट नहीं लगाई जा रही थी। बुधवार को मामला मथुरा- वृंदावन के नगर आयुक्त के संज्ञान में आया तो निगम क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा रुकवाने को सरकारी अमला दौड़ पड़ा। अपर नगर आयुक्त ने मौके पर काम रुकवाया और अभिलेख जांच के लिए गए। अब टीम जमीन से जुड़े अभिलेखों की जांच करके सच्चाई तक जाएगी।

मामला थाना जैंत के गांव अल्हैपुर स्थित खसरा नंबर 57 की बंजर भूमि और 59 के परजी जमीन से जुड़ा है। गांव के लोगों ने तीन माह पहले सदर तहसील में इस प्रकरण की शिकायत की। एसडीएम ने राजस्व निरीक्षक और लेखपाल को जांच करने को कहा। ग्रामीणों ने बताया कि शिकायत पर लेखपाल मौके पर आए, जांच की, लेकिन अब तक रिपोर्ट नहीं दी। वैसे, बताया गया कि जमीन सरकारी पर ही कब्जा हो रहा है।

तहसील से कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत मंगलवार को नगर आयुक्त और नगर मजिस्ट्रेट को करते हुए सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की गुहार लगाई । ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित भूमि गांव के सार्वजनिक उपयोग



गांव अल्हैपुर में कब्जाई गई सरकारी जमीन पर चल रहा निर्माण काम।

तीन माह से तहसील ने लटकाई कार्रवाई, शिकायत पर दौड़ा अमला

खसरा नंबर 57 की बंजर भूमि और 59 के रास्ते पर अतिक्रमण का आरोप

में आती है, जहां सामाजिक और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, मौजा अल्हैपुर में खसरा संख्या 57 बंजर भूमि और खसरा संख्या 59 रास्ते के रूप में राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। आरोप है कि गांव के कुछ लोग इन जमीनों पर अवैध निर्माण कर अतिक्रमण कर रहे हैं। रास्ते की जमीन से गांव के लोगों का आवागमन होता है, जबकि बंजर भूमि पर सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले में ग्रामीण पहले भी नगर निगम और तहसील प्रशासन को शिकायत की गई, अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बावजूद संबंधित लोगों ने दोबारा निर्माण और कब्जे की कोशिश शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने गोबिन्दराम को वर्ष 1985 में खसरा संख्या 50 पर 254 वर्ग गज भूमि का पट्टा दिए जाने की बात बताई। बताया कि पट्टे की आड़ में खसरा संख्या 57 की बंजर भूमि पर भी कब्जा किया जा रहा है। आज नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मामला संज्ञान में आने पर अपर नगर आयुक्त प्रियंका सिंह और टीम को मौके पर भेजा, जहां फिलहाल काम रुकवाया गया है। अपर नगर आयुक्त ने अभिलेखों के आधार पर जांच की बात कही है। वहीं, ग्रामीणों ने सरकारी जमीन की कीमत कई करोड़ रुपये बताई है।



किसान लूटकांड में पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश

यूनिक समय, मथुरा। छाता थाना क्षेत्र में हाईवे पर बुजुर्ग किसान से 2.18 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने बदमाशों की तलाश तेज कर दी है। एसएसपी श्लोक कुमार ने वारदात के खुलासे के लिए छाता पुलिस के अलावा एसओजी, स्वाट और सर्विलांस टीम को लगाया है। पुलिस हाईवे और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वहीं, कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बदमाशों की तलाश में पुलिस टीमें राजस्थान और हरियाणा में भी दबिश दे रही हैं।

गांव कौंकेरा निवासी किसान बासुदेव मंगलवार को गांव के ही लाखन सिंह को 1.12 लाख रुपये देने के लिए मथुरा आया था। लाखन सिंह से मुलाकात नहीं हो सकी तो वह मथुरा मंडी पहुंचा। मंडी में धान की बिक्री के एवज में उसे 1.06 लाख रुपये मिले। इसके बाद बासुदेव टेंपो में

खुलासे को एसएसपी ने लगाईं चार टीमें

कई संदिग्ध हिरासत में राजस्थान और हरियाणा में भी दबिश

सवार होकर गांव लौटने लगा। हाईवे पर केडी मेडिकल कॉलेज पुल के समीप वह टेंपो से उतरा ही था कि बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे धक्का मारकर गिरा दिया। बदमाश उसके पास मौजूद 2.18 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस घटनास्थल के आसपास और हाईवे से जुड़े रास्तों के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग जुटा रही है। फुटेज के जरिए बदमाशों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। एसओजी और स्वाट टीम ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

त्योहारों पर सुरक्षा में चूक न हो रात में बढ़ाएं गश्त : एसएसपी



मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी में अधीनस्थों को निर्देश देते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। आगामी त्योहारों पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने, रात में गश्त करने और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए हैं। लंबित विवेचनाओं का गुण–दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने और थानों में हुई आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा।

पुलिस लाइन सभागार में आयोजित अपराध समीक्षा गोष्ठी में एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों और क्षेत्राधिकारियों से अपराध की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की। जिन थानों में विवेचनाएं लंबित हैं, वहां के प्रभारियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण कराने के निर्देश दिए। गैंगस्टर एक्ट में वांछित अपराधियों और न्यायालय से जारी वारंटों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने पर भी जोर दिया।

एसएसपी ने कहा कि अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस की सक्रियता जरूरी है। थाना क्षेत्रों में

अपराध समीक्षा गोष्ठी में थाना प्रभारियों को दिए निर्देश, लंबित विवेचनाओं का शीघ्र करें निस्तारण

हुई आपराधिक घटनाओं को लंबित न रखा जाए। उनका शीघ्र अनावरण कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। त्योहारों के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए और किसी भी स्थिति में शांति व्यवस्था प्रभावित न होने पाए। गोष्ठी में एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसपी देहात आलोक राजनारायन सिंह, एसपी क्राइम श्वेता यादव, एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी, सीओ सिटी आशना चौधरी सहित सभी सर्किल के सीओ और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

फर्जी सिम से ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने फर्जी सिम के जरिए लोगों से साइबर ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो फर्जी सिम और एक मोबाइल बरामद किया है।

पुलिस ने मुड़सेरस से महरौली जाने वाले मार्ग पर रजवाह के समीप नगला अकातिया निवासी आरिफ को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से

दो फर्जी सिम और मोबाइल बरामद

एक मोबाइल और दो फर्जी सिम बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी सिम के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बनाता था।

पुलिस उसके नेटवर्क और ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

सिलेंडर और चार हजार रुपये बरामद, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का गैस सिलेंडर और चार हजार रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने बरेली-मथुरा हाईवे पर कोयल अंडरपास के समीप से बरहना निवासी निर्भय को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने कोयल गांव में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। उसके कब्जे से चोरी का गैस सिलेंडर और चार हजार रुपये बरामद किए गए हैं।

वृंदावन रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में वृंदावन रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत के मामले में पिता ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राया थाना क्षेत्र के गांव सारस निवासी महेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा रजत सिंह गांव के विजयपाल सिंह के साथ राजेंद्र जीएस–0205 पर काम करता था। 14 अक्टूबर की शाम रजत वृंदावन रोड स्थित ज्ञानदीप स्कूल के पास खड़ा था। वह पास की दुकान से पान मसाला लेने जा रहा था, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई। पिता ने थाना हाईवे पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश में जुटी है।



जिला अस्पताल या कूड़ाघर ! कार्यवाहक सीएमएस साहब, इधर भी देखिए


गेट नंबर एक के अंदर पानी पीने की प्याऊ के पास कूड़ा।


इमरजेंसी में लोगों के बैठने की जगह खड़ी स्कूटी।



जिला अस्पताल में स्टैंड के बाहर खड़ी हुई मोटरसाइकिल।


जिला अस्पताल गेट नंबर एक के बाहर पड़ा कूड़ा।

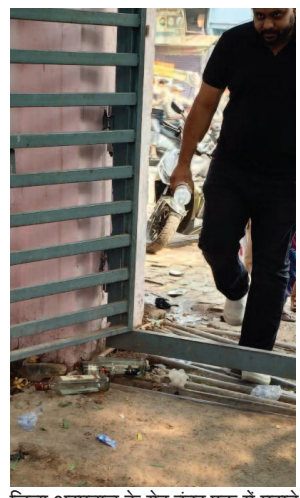
यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल की कमान नए कार्यवाहक सीएमएस डॉ. विकास मिश्रा के हाथों में है, लेकिन अस्पताल परिसर की बदहाल तस्वीर जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है। मुख्य गेट से लेकर इमरजेंसी और सर्जरी विभाग तक गंदगी पसरी है। कहीं खाली शराब की बोतल पड़ी है तो कहीं कूड़े का ढेर लगा है। मरीजों के लिए बनाई गई प्याऊ के आसपास भी सफाई का अभाव है। इमरजेंसी में तीमारदारों के बैठने की जगह पर स्कूटी खड़ी है। ऐसे हालात में मरीजों को इलाज के साथ स्वच्छ वातावरण और बैठने की सुविधा मिलने की उम्मीद कैसे पूरी होगी?

बुधवार को अस्पताल परिसर का

मुख्य गेट से इमरजेंसी और सर्जरी विभाग तक गंदगी का अंबार, प्याऊ के पास कूड़े का ढेर

मरीजों के बैठने की जगह पर खड़े वाहन मुख्यमंत्री के स्वच्छता संबंधी निर्देशों की भी अनदेखी

नजारा व्यवस्थाओं की पोल खोलता नजर आया। गेट नंबर एक के भीतर


जिला अस्पताल के गेट नंबर एक में घुसते ही खाली पड़ी शराब की बोतल।



यहां थूकना मना है, लेकिन गंदगी रह सकती है।

प्रवेश करते ही खाली शराब की बोतल पड़ी मिली। आगे बढ़ने पर जगह-जगह कूड़ा बिखरा दिखाई दिया। मरीजों और तीमारदारों के लिए बनाए गए पेयजल प्याऊ के पास गंदगी जमा थी। सर्जरी विभाग के नजदीक डस्टबिन भी व्यवस्थित स्थान पर नहीं रखा मिला। पार्किंग स्टैंड के बाहर मोटरसाइकिलें खड़ी थीं तो इमरजेंसी में तीमारदारों के बैठने के निर्धारित स्थान पर स्कूटी खड़ी मिली। इससे मरीजों और उनके परिजनों के बैठने की सुविधा प्रभावित हो रही है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें गंभीर रोगियों के साथ बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी शामिल हैं। ऐसे स्थान पर संक्रमण से बचाव के लिए सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहना बेहद जरूरी है। इसके बावजूद परिसर में गंदगी और बेतरतीब पार्किंग अस्पताल प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। मुख्यमंत्री की ओर से सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर दिया जाता है, लेकिन जिला अस्पताल में इन निर्देशों का पालन होता दिखाई नहीं दे रहा।

कार्यवाहक सीएमएस डॉ. विकास मिश्रा से अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद है। फोन पर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। पूर्व में भी डॉ. विकास मिश्रा घूस लेने के मामले को लेकर चर्चा में रहे हैं।

पति को बचाने पहुंची महिला से भी मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। फरह थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। पति के साथ हो रही मारपीट को रोकने पहुंची महिला को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा। पीड़िता पूनम ने अपने जेठ दिनेश और भतीजे जतिन के खिलाफ मारपीट, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पूनम के अनुसार, 31 अक्टूबर की सुबह उनके पति घर के सामने स्थित दुकान पर झाड़ू लगा रहे थे। तभी जेठ दिनेश और उनका बेटा जतिन वहां पहुंच गए। दोनों ने पति के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर वह पति को बचाने पहुंचीं तो आरोप है कि उनके साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंगानगर धमाके के बाद मथुरा जंक्शन पर सुरक्षा सख्त

यूनिक समय, मथुरा। गंगानगर में रेलवे ट्रैक पर हुए धमाके के बाद जारी सुरक्षा अलर्ट के चलते मथुरा जंक्शन पर चौकसी बढ़ा दी गई है। स्टेशन पर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चेकिंग करते जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह।आने-जाने वाले यात्रियों से लेकर ट्रेनों तक की निगरानी की जा रही है। जीआरपी और आरपीएफ ने संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान शुरू किया है। वहीं अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए ट्रेनों में भी विशेष सतर्कता बरती

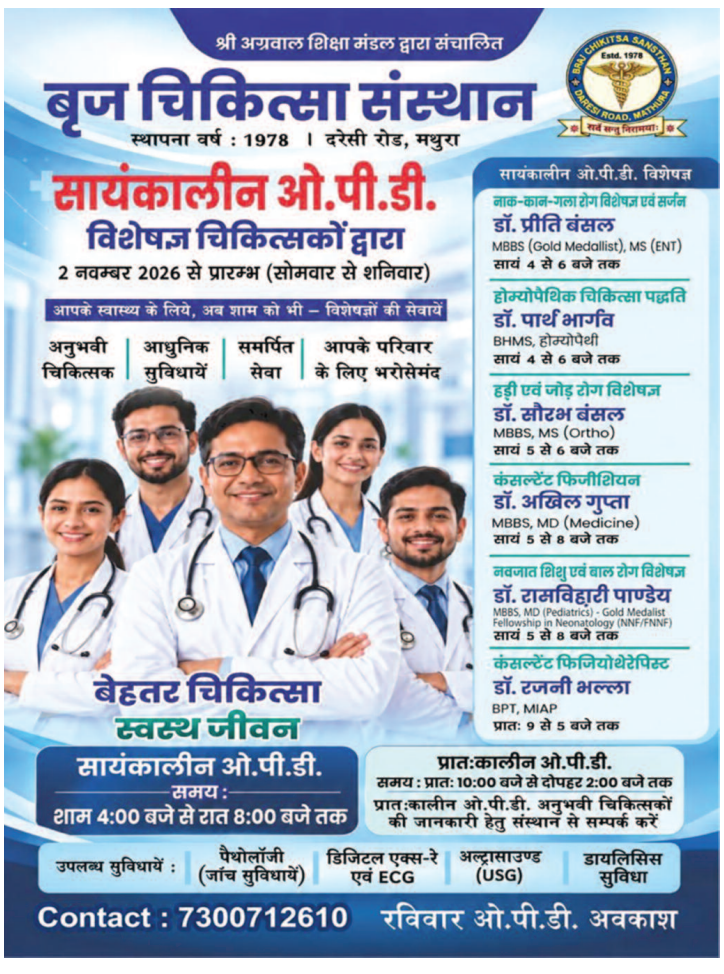

जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चेकिंग करते जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह।

जा रही है।

सुरक्षा के मद्देनजर जंक्शन के प्लेटफार्मों, सर्कुलेटिंग एरिया और यात्री प्रतीक्षालयों में चेकिंग की जा रही है।

जीआरपी ने चलाया सघन चेकिंग अभियान, प्लेटफार्म से ट्रेनों तक संदिग्धों पर नजर

पुलिसकर्मी संदिग्ध व्यक्तियों के साथ लावारिस वस्तुओं पर नजर रख रहे हैं। स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए स्टेशन परिसर की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। अयोध्या में दीपोत्सव के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मथुरा जंक्शन से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जीआरपी और आरपीएफ की टीमें आपसी समन्वय से सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही हैं। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। दीपोत्सव को देखते हुए ट्रेनों में सतर्कता बढ़ाई गई है। जंक्शन पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है।



प्लेटफार्म आठ के रेलवे ट्रैक पर बहता है गंदा पानी



जंक्शन के सर्कुलेटिंग एरिया में बना शौचालय।


शौचालय के बराबर में बनी खान पान की स्टाल।

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता व्यवस्था के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या आठ पर बने मॉर्डन शौचालय का अपशिष्ट पानी रेलवे ट्रैक के सहारे लगातार बह रहा है। इससे प्लेटफार्म पर गंदगी फैलने के साथ भीषण दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। इस समस्या के चलते यहां से गुजरने और ट्रेनों का इंतजार करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हैरानी की बात यह है कि शौचालय से निकलने वाला गंदा पानी रेलवे ट्रैक के आसपास जमा

दुर्गंध से यात्रियों को होती है परेशानी

होने के बजाय लगातार बहता रहता है। इससे प्लेटफार्म संख्या आठ पर असहनीय दुर्गंध फैल रही है। प्लेटफार्म संख्या आठ पर स्थित स्टाल संचालकों का कहना है कि दुर्गंध की वजह से यात्री स्टाल पर आने से कतराते हैं।

खाने–पीने का सामान खरीदने वाले यात्रियों को भी गंदगी और दुर्गंध के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में यात्रियों के लिए खान-पान का सामान खरीदना भी मुश्किल हो रहा है।

सर्कुलेटिंग एरिया में खान पान की स्टाल संचालित करने वाले पुष्पेन्द्र चौहान ने बताया कि शौचालय के अपशिष्ट से उठती दुर्गंध की वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसका सीधा असर कारोबार पर हो रहा है।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि मॉर्डन शौचालय से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण के लिए भूमिगत पाइप लाइन डाले जाने का प्रस्ताव उच्चाधिकारियों को भेजा गया है।

निजी संस्था करती है मॉर्डन शौचालय का संचालन

जंक्शन रेलवे स्टेशन की मुख्य एंट्री पर बने मॉर्डन शौचालय का संचालन निजी संस्था द्वारा किया जाता है। शौचालय से निकलने वाली गंदगी के पाइपों को मथुरा कासगंज रेलवे ट्रैक पर खोला गया है। बेहतर जल निकासी नहीं होने के कारण शौचालय का अपशिष्ट रेलवे ट्रैक के सहारे जमा हो जाता है, जिससे हर समय भीषण दुर्गंध उठती रहती है।

शहर से देहात तक पटाखा बाजारों के लिए आठ स्थान चिन्हित

दीपावली को लेकर प्रशासन ने शुरू की तैयारियां, प्रत्येक बाजार में तैनात रहेंगे दो फायर टेंडर



यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही पटाखों की खरीद-फरोख्त को लेकर बाजार सजने की तैयारी शुरू हो गई है। शहर से लेकर देहात तक आतिशबाजी की दुकानें लगाने के लिए प्रशासन ने अब तक जिले में आठ स्थान चिन्हित किए हैं। इन स्थानों पर पटाखा बाजार लगाने की तैयारी है। हालांकि, अभी कुछ अन्य स्थानों के भी चिन्हित होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आने वाले दिनों में पटाखा बाजारों की संख्या बढ़ सकती है।

प्रशासन को मिली स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, शहर में आर्मी ग्राउंड, महाविद्या कॉलोनी और एनसीसी ग्राउंड को पटाखा बाजार के लिए प्रस्तावित किया गया है। इसके अलावा वृंदावन, मांट, शेरगढ़ और नौहझील सहित अन्य क्षेत्रों में भी स्थान चिन्हित किए गए हैं। इन सभी स्थानों की रिपोर्ट मिलने के बाद बाजार लगाने की तैयारियां आगे बढ़ाई जा रही हैं। फिलहाल प्रशासन के पास आठ स्थानों की जानकारी दी है। पटाखा बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अग्निशमन विभाग भी सतर्क हो गया है।

बाजारों में आग लगने जैसी घटना से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। प्रत्येक चिन्हित स्थान पर दो फायर टेंडर तैनात रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि शासनादेश के अनुसार पटाखा बाजारों के लिए स्थान चिन्हित किए गए हैं। सभी स्थानों पर निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन कराया जाएगा। प्रत्येक बाजार में दो फायर टेंडर तैनात रहेंगे। शासन के निर्देशों के अनुरूप ही बाजारों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

दुकानदारों ने आतिशबाजी खरीदी लाइसेंस ने बिगाड़ा दीवाली का खेल

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर आतिशबाजी की दुकान लगाकर अच्छी कमाई करने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को इस बार निराशा हाथ लगती नजर आ रही है। कई दिनों से बाजार सजाने और आतिशबाजी बेचने की तैयारी कर रहे दुकानदारों के अरमानों पर पानी फिरता दिखाई दे रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई लोग दुकान लगाने की उम्मीद में पहले ही आतिशबाजी खरीदकर रख चुके हैं, लेकिन लाइसेंस नहीं मिलने के कारण अब उनके सामने परेशानी खड़ी हो गई है।

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही आतिशबाजी बाजार को लेकर लोगों में उत्साह था। कई लोगों ने दुकान लगाने के लिए जगह की तलाश की और बिक्री के लिए पहले से ही माल का इंतजाम कर लिया। उन्हें उम्मीद थी कि दीपावली के मौके पर दुकान लगाकर अच्छी आमदनी होगी। लेकिन लाइसेंस की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से उनकी तैयारियां अधर में लटक गई हैं।

फरह में भी कुछ लोगों ने आतिशबाजी खरीदकर रख ली है। उन्हें उम्मीद थी कि लाइसेंस मिलने के बाद दुकान लगाकर बिक्री शुरू कर देंगे, लेकिन अब तक लाइसेंस नहीं मिलने से उनकी चिंता बढ़ गई है। फरह ही नहीं, जिले के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसे कई लोग हो सकते हैं, जिन्होंने दुकान लगाने की उम्मीद में पहले से आतिशबाजी खरीद ली है। अब लाइसेंस नहीं मिलने से उनकी मेहनत और पूंजी दोनों फंसती नजर आ रही हैं।

मिठाई, खोया और दूध के चार नमूने लिए, जांच को भेजे

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार को अभियान चलाया। टाउनशिप, मंडी और गोवर्धन चौराहे पर रोडवेज बसों का निरीक्षण किया गया। हालांकि, किसी बस में संदिग्ध खाद्य पदार्थ नहीं मिला। टीम ने कच्ची सड़क स्थित पीताम्बर दास मिठाई वाला से रंगीन नारियल बर्फी और खोया, गोवर्धन की शंकर मिल्क डेयरी से खोया तथा राया कट पर दूध के टैंकर से नमूना लिया। चारों नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटा प्रशासन, डीएम ने मंडी का किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बुधवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कृषि उत्पादन मंडी समिति का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ईवीएम-वीवीपैट के स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल और पोलिंग पार्टियों की रवानगी व वापसी के स्थान देखे। डीएम ने सुरक्षा, सीसीटीवी, बैरिकेडिंग, बिजली, पेयजल, पार्किंग और साफ-सफाई की व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने तैयारियों में लापरवाही नहीं बरतने को कहा।

युवा संसद में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर हुई भाषण प्रतियोगिता



'एक राष्ट्र- एक चुनाव' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद राज्यसभा सांसद तेजवीर सिह आदि।

यूनिक समय, मथुरा। माय भारत केंद्र की ओर से आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विकसित भारत जिला स्तरीय युवा संसद 2027 के तहत 'एक राष्ट्र- एक चुनाव' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विषय के पक्ष और उससे जुड़ी आशंकाओं पर विचार रखे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने किया। उन्होंने एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा, उसके महत्व और समर्थन में दिए जाने वाले तर्कों पर विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय की प्राचार्य अंजुबाला अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि प्रीति जौहरी ने भी विचार रखे।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन ज्ञान, तार्किक क्षमता और भाषण शैली के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता में रुचि ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय और करन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उमंग अवस्थी, मनमोहन, उपेंद्र पटेल, श्वेता पटेल, मुस्कान कौर, लक्ष्मी नारायण और रीतू शुक्ला का भी चयन हुआ। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा संसद में मथुरा का प्रतिनिधित्व करेंगे।

निर्णायक मंडल में डॉ. सतनाम अरोड़ा, डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. स्मृति शर्मा, डॉ. नीतू गोस्वामी और श्याम बाबू शुक्ला शामिल रहे। संयोजन डॉ. प्रतिभा और सोनम यादव ने किया। संचालन डॉ. सुषमा अग्रवाल और निकिता वार्ष्णेय ने किया। इस दौरान अमित कुमार, रामवीर शर्मा सहित महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं और छात्राएं मौजूद रहीं।

रुचि ने पहला, शुभम ने दूसरा और करन कुमार ने पाया तीसरा स्थान

रबी की बुआई में किसान एनपीके उर्वरक को दें प्राथमिकता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में रबी फसलों की बुआई तेजी से चल रही है। सरसों, आलू, गेहूं, दलहन और तिलहन की बुआई के बीच जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने किसानों से एनपीके सहित संतुलित उर्वरकों का इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जरूरत से अधिक रासायनिक खाद डालने से मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों और जैविक कार्बन की कमी हो सकती है। इससे खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है।

उन्होंने किसानों को फसल की जरूरत के अनुसार जैव उर्वरक, जैविक खाद, एनपीकेएस, एसएसपी, टीएसपी और सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग करने की सलाह दी। बताया कि 48 प्रतिशत टीएसपी के एक बैग में 18 से 20 किलोग्राम यूरिया मिलाकर आलू, गेहूं, दलहन और तिलहन की बुआई में इस्तेमाल किया जा सकता है। संतुलित उर्वरक प्रबंधन से खेती की लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

जिला कृषि अधिकारी की सलाह, संतुलित खाद से घटेगी लागत और बढ़ेगा उत्पादन

जिला कृषि अधिकारी के अनुसार, जनपद के बफर गोदामों और बिक्री केंद्रों पर 31,558 मीट्रिक टन यूरिया, 7,365 मीट्रिक टन डीएपी और 6,574 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। किसान फसल की जरूरत के अनुसार खाद खरीद सकते हैं। खतौनी या फार्मर आईडी में दर्ज भूमि के आधार पर एक हेक्टेयर में बोई जाने वाली फसल के लिए अधिकतम सात बैग यूरिया और पांच बैग डीएपी खरीदने की व्यवस्था है।

गैंगस्टर को साढ़े तीन वर्ष की सजा



यूनिक समय, मथुरा। गिरोह बना कर लूटपाट करने वाले गैंगस्टर को एडीजे पंचम विशेष न्यायाधीश गिरोहबंद -समाज विरोधी क्रिया कलाप अधिनियम नीलम ढाका की अदालत ने साढ़े तीन वर्ष के कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी विशेष लोक अभियोजक शैलेन्द्र कुमार गौतम द्वारा की गई।

सुरीर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार गौतम ने क्षेत्र में लूटपाट की वारदातों को अंजाम देने वाले राजेश पुत्र सत्यवीर उर्फ सत्तो निवासी गढ़ी कोरखारा थाना राया के विरुद्ध 25 फरवरी 2023 को गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। विवेचना के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे पंचम विशेष न्यायाधीश गिरोबंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप अधिनियम नीलम ढाका की अदालत में हुई। विशेष लोक अभियोजक शैलेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि अदालत ने राजेश को गैंगस्टर एक्ट में साढ़े तीन वर्ष के कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

अदालत ने पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में विद्यालय की दोहरी धमक, जीते रजत पदक



विजयी छात्राओं के साथ प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह, प्रबंधक अनुज विजय औरअन्य शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में रतन लाल फूल कटोरी देवी विद्यालय की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर दोहरी उपलब्धि हासिल की है। विद्या भारती की ओर से राजस्थान के अजमेर में 22 से 28 अक्टूबर तक आयोजित 37वीं अखिल भारतीय राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में विद्यालय की अंडर-14 और अंडर-19 दोनों टीमों ने दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किए। राष्ट्रीय स्तर पर दोनों टीमों की इस सफलता से विद्यालय का गौरव बढ़ा है।

प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने बेहतर तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का परिचय दिया। मैदान पर खिलाड़ियों के समर्पण और टीम भावना ने उन्हें फाइनल तक पहुंचाया। दोनों आयु वर्गों में रजत पदक हासिल करना विद्यालय के लिए विशेष उपलब्धि रही।

अंडर-14 और अंडर-19 टीमों ने राष्ट्रीय स्तर पर हासिल किया दूसरा स्थान

छात्राओं की उपलब्धि से रतन लाल फूल कटोरी देवी विद्यालय में हर्ष

इस दोहरी सफलता पर विद्यालय प्रबंध समिति और प्रधानाचार्य डा. नीता सिंह ने विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्राओं के नियमित अभ्यास, कठिन परिश्रम और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मिली सफलता अन्य छात्राओं को भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

नेत्र शोध में डॉ. नोवोना ने बढ़ाया केडी मेडिकल कॉलेज का गौरव

यूनिक समय, मथुरा। चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक और उपलब्धि हासिल की है। अलीगढ़ स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य नेत्र रोग विशेषज्ञों के वार्षिक सम्मेलन में संस्थान की चिकित्सक डॉ. नोवोना गोस्वामी को शोधपत्र प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके शोध को विशेषज्ञों ने सराहा।

सम्मेलन के फ्री पेपर सत्र में डॉ. नोवोना गोस्वामी ने अपना शोध प्रस्तुत किया। वहीं, संस्थान के पांच स्नातकोत्तर (पीजी) चिकित्सकों डॉ. विष्णु, डॉ. अक्षत, डॉ. सुरभि, डॉ. इतीशा और डॉ. प्रगति ने ई-पोस्टर के माध्यम से अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। पीजी चिकित्सकों की प्रस्तुतियों को भी सराहना मिली।



राज्यस्तरीय सम्मेलन में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करती डॉ. नोवोना गोस्वामी।

संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि चिकित्सा विज्ञान में शोध और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। चिकित्सकों को बदलती चिकित्सा पद्धतियों के अनुरूप अपने ज्ञान और कौशल को लगातार विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. नोवोना को मिला सम्मान पूरे संस्थान के लिए गौरव का विषय है।

डीन- प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने सभी चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि शोध, अध्ययन और ज्ञान का आदान-प्रदान बेहतर उपचार व्यवस्था के लिए जरूरी है।

ऐसे सम्मेलन चिकित्सकों को अनुभव साझा करने और नई तकनीकों से परिचित होने का अवसर देते हैं। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शिप्रा त्रिपाठी ने कहा कि नेत्र चिकित्सा में तकनीक और उपचार पद्धतियों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं।

शोध गतिविधियों से जुड़ने से चिकित्सकों का ज्ञान बढ़ता है और मरीजों को बेहतर उपचार देने में मदद मिलती है। उन्होंने डॉ. नोवोना सहित शोध प्रस्तुत करने वाले सभी पीजी चिकित्सकों को बधाई दी।

राज्यस्तरीय नेत्र रोग विशेषज्ञ सम्मेलन में शोधपत्र को मिला द्वितीय पुरस्कार

पांच पीजी चिकित्सकों ने भी प्रस्तुत किए शोधपत्र

कोसीकलां में त्योहारों को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च

व्यापारियों से बोले थाना प्रभारी– निडर होकर करें व्यापार, सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी


दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटाने की चेतावनी देते थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार।

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर्व पर बाजारों में बढ़ती भीड़ और रौनक को देखते हुए स्थानीय पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना पुलिस ने बुधवार को मुख्य बाजार में सघन पैदल गश्त कर फ्लैग मार्च किया और व्यापारियों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार, कस्बा चौकी इंचार्ज दुष्यंत कौशिक ने पुलिस टीम के साथ मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, गली शेखान और सर्राफा बाजार में पैदल गश्त की। पुलिस को बाजार में देख व्यापारियों के चेहरे पर सुरक्षा का भाव दिखा। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने व्यापारियों से कहा कि दीपावली पर सक्रिय होने वाले टटलू गैंग, इंटरनेट मीडिया पर गलत अफवाह फैलाने वाले, जेबकतरे और हुड़दंग मचाने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर है। किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने कहा कि अतिक्रमण करने वाले दुकानदार अपना सामान फुटपाथ और सड़क तक लगा देते हैं, जिससे बाजार में जाम लगता है। अपनी दुकानों का सामान फुटपाथ पर रखने की बजाय दुकान के अंदर रखें। व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें, नहीं तो अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रोफेसर संगीत रागी के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, पुतला फूंका


प्रोफेसर संगीत रागी का पोस्टर जलाते सपा कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। प्रोफेसर संगीत रागी के कथित बयान के विरोध में बुधवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। सपा नेता लखन गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रोफेसर का पुतला फूंककर उनके निलंबन और अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग उठाई।

सपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर संगीत रागी ने एक राष्ट्रीय समाचार चैनल पर सार्वजनिक चर्चा के दौरान सपा प्रवक्ता मनोज सिंह काका और यादव (अहीर) समाज के प्रति जातिगत एवं अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। इसी को लेकर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे लखन गुर्जर ने कहा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी समाज या व्यक्ति के प्रति जातिगत और अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती।

बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती

44 कार्टून पटाखे और करीब 15 कुंतल विस्फोटक सामग्री बरामद


आतिशबाजी के ठिकाने पर जांच करते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, बलदेव। दीपावली से पहले थाना क्षेत्र के अवैरनी चौराहे पर बिना वैध लाइसेंस पटाखों का भारी भंडार मिलने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस ने एक गोदाम पर छापेमारी कर 44 कार्टून पटाखे और करीब 15 कुंतल विस्फोटक सामग्री बरामद की है। मौके से प्रेम अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया है। बिना लाइसेंस इतनी बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आबादी के आसपास विस्फोटक सामग्री का इस तरह जमा होना किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था। सवाल है कि इतनी भारी मात्रा में पटाखों का भंडारण कैसे किया जा रहा था और इसकी भनक संबंधित विभागों को क्यों नहीं लगी।

दीपावली के दौरान पटाखों की मांग बढ़ने के साथ अवैध भंडारण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई ने सुरक्षा इंतजामों और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अब यह देखना अहम होगा कि बरामद सामग्री के स्त्रोत, भंडारण की परिस्थितियों और इसमें अन्य लोगों की भूमिका की जांच के बाद क्या कार्रवाई होती है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष बनीं सीमा रानी सेठ


भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सीमा रानी सेठ को सम्मानित करतीं कार्यकर्ता।

यूनिक समय, कोसीकलां। भारतीय जनता पार्टी में कोसीकलां की कद्दावर नेत्री सीमा रानी सेठ को महिला मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर नगर में हर्ष की लहर है। मनोनयन की सूचना मिलते ही महिला कार्यकर्ताओं ने एक स्वागत समारोह आयोजित कर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान महिलाओं ने फूल-माला पहनाकर और चित्र भेंट कर उनका सम्मान किया। इस मौके पर नव मनोनीत जिला उपाध्यक्ष सीमा रानी सेठ ने कहा कि उनके लिए पार्टी हित सर्वोपरि है। अब हम सभी का एक ही लक्ष्य है कि 2027 में तीसरी बार उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा की प्रचंड बहुमत से सरकार बनाना। इसके लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा और घर–घर जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाया जाएगा। स्वागत करने वालों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य रेखा अग्रवाल, विनीत शर्मा, मोनिका चौहान, पूजा गुप्ता, रुचि अग्रवाल, ललिता पाठक, अनीता, सविता रानी, ममता वाल्मीकि समेत बड़ी संख्या में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

रक्तदान शिविर में 26 लोगों ने किया महादान

न्यायाधिकारी सिद्धि जय प्रकाश ने किया शुभारंभ

बोले–रक्तदान से बचाई जा सकती है अनमोल जिंदगी


रक्तदान शिविर में रक्तदान करते न्यायाधिकारी सिद्धि जय प्रकाश आदि।

यूनिक समय, मांट। तहसील मांट में बुधवार को अधिवक्ता परिषद ब्रज की तहसील इकाई की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में न्यायाधिकारी, तहसील कर्मचारियों और अधिवक्ताओं सहित 26 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शिविर का शुभारंभ ग्राम न्यायालय मांट के न्यायाधिकारी सिद्धि जय प्रकाश ने फीता काटकर और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि रक्त का निर्माण किसी प्रयोगशाला में नहीं किया जा सकता। जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने के लिए रक्तदान ही सबसे बड़ा माध्यम है। अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष भरत कुमार अग्रवाल ने बताया कि परिषद समय-समय पर सामाजिक और जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सामाजिक समरसता प्रमुख मनोहर लाल अग्रवाल ने शिविर की सराहना की। इस दौरान स्वाध्याय मंडल प्रमुख रामलाल अग्रवाल, बार एसोसिएशन मांट के अध्यक्ष पंकज जायसवाल, आलोक जायसवाल, प्रशांत राजपूत, देवेंद्र लवानिया और रक्तदाता फाउंडेशन मांट के एडवोकेट कोऑर्डिनेटर मयंक बंसल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मथुरा के बृजबासी ब्लड बैंक की मेडिकल टीम में डॉ. पीएल गोयल, डॉ. अंकुर, शुभम अग्रवाल, विनय कुमार और पिंकी ने रक्तदान प्रक्रिया संपन्न कराई।

दीपावली पर सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

पांच दोपहिया वाहन सीज और 25 के चालान


वाहनों की चेकिंग के दौरान मौजूद पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, सुरीर। दीपावली पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस ने चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार शाम थाना क्षेत्र के सुरीर चौराहे और टेटी गांव में पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग की। देर रात तक चले अभियान के दौरान पुलिस ने पांच दोपहिया वाहनों को सीज किया, जबकि 25 वाहनों के चालान काटे। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात, हेलमेट और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके साथ ही पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर भी नजर रखी। अचानक शुरू हुई चेकिंग से वाहन चालकों में खलबली मची रही। अभियान में थाना प्रभारी अरुण कुमार डागर, एसएसआई वीरेंद्र कुमार, चौकी प्रभारी सोहन पाल सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सुरीर चौराहे पर एसआई प्रमोद कुमार, महिला एसआई शिवम चाहर, कांस्टेबल आशीष, कौशेंद्र और एलसी शिवानी तेवतिया सहित पुलिस स्टाफ ने चेकिंग की।

हर घर में स्वदेशी मिट्टी के दीये जलाएं : डॉ. पौनिया

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भाजपा ओबीसी मोर्चा के ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया ने क्षेत्रवासियों से हर घर में मिट्टी के दीये जलाने की अपील की। स्थानीय कारीगरों और कुंभकारों को प्रोत्साहन देना ही वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करना है। चाइनीज लाइटों के बढ़ते चलन से कुम्हारों के पारंपरिक कारोबार पर असर पड़ा है। मिट्टी के दीये खरीदने से स्थानीय कुंभकारों को और कारीगरों को आर्थिक संबल मिलता है।

कमरे का ताला तोड़ दो लैपटॉप ले उड़े चोर

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैत क्षेत्र के चौमुहां स्थित अमरपाली सोसाइटी में चोरों ने किराये के कमरे को निशाना बनाकर दो लैपटॉप चोरी कर लिए। छात्र अपने दोस्त के साथ कॉलेज में क्लास लेने गया था। वापस लौटने पर कमरे से लैपटॉप गायब मिले। पीड़ित ने बुधवार को थाना जैत पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

जानकारी के अनुसार, रितिक जादौन पुत्र मनोज कुमार जादौन निवासी अमरपाली सोसाइटी के फ्लैट नंबर बी-8 के कमरा नंबर 303 में किराये पर रहता है। वह बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। रितिक के मुताबिक, नौ अक्टूबर को वह अपने दोस्त प्रयांश पांडेय के साथ कमरे में पढ़ाई कर रहा था।

इसके बाद दोनों सुबह करीब 11:10 बजे कमरे पर ताला लगाकर कॉलेज चले गए।

दोपहर करीब 1:50 बजे लौटे तो कमरे में रखे दोनों लैपटॉप गायब मिले। चोरी हुए लैपटॉप में एक आसुस वीवोबुक-16 और दूसरा आसुस टीयूएफ गेमिंग लैपटॉप है। छात्रों ने आसपास तलाश और पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

दाऊजी मंदिर की जमीन पर कब्जे का आरोप, महंत ने दी तहरीर

ओवा गांव में जमीन पर ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुआ विवाद


थाने में प्रार्थना पत्र देते दाऊजी मंदिर के महंत।

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के गांव ओवा में दाऊ जी मंदिर की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद गहरा गया है। मंदिर से जुड़े महंत ने कुछ लोगों पर जमीन पर अवैध कब्जा करने और विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, मंदिर की जमीन खसरा संख्या 34, 35 सहित अन्य गाटा संख्याओं में दर्ज है। आरोप है कि कुछ लोगों ने इस जमीन पर कब्जा कर लिया है। महंत की ओर से जब जमीन पर खेती कराने के लिए ट्रैक्टर मंगवाया गया तो नामजद लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान गाली-गलौज और विवाद हुआ। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें धमकी भी दी गई। प्रार्थना पत्र में कई लोगों के नाम दर्ज कराते हुए पुलिस से मामले की जांच कराने और मंदिर की जमीन को कब्जामुक्त कराने की मांग की गई है। अब पुलिस की जांच और राजस्व अभिलेखों के सत्यापन के बाद ही जमीन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देना मेरा संकल्प : डॉ. सीमा

यूनिक समय, चौमुहां। भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष डॉ. सीमा गोयल का चौमुहां स्थित सीएसआरबी विद्या आश्रम में भव्य स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन किया गया। विद्यालय परिवार, भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। समारोह में विद्यालय संस्थापक डॉ. गिर्राज सिंह और प्रबंध निदेशक मानवेन्द्र सिंह ने पटुका ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. सीमा गोयल ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण से करेंगी। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षा और सशक्तिकरण उनकी प्राथमिकता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र से लंबे समय तक जुड़े रहने के अनुभव का उपयोग ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों की महिलाओं को शिक्षित एवं जागरूक बनाने में करेंगी।

सार्वजनिक सूचना

मैं नीरज वशिष्ठ पुत्र श्री हरीबाबू शर्मा निवासी 25 सी गोविन्द नगर तह. व जिला मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरे प्लॉट की ओरिजनल रजिस्ट्री जिसका खसरा सं. 225मि. रकवा 0.146 है, मौजा सिहाना तह. छाता जिला मथुरा में स्थित है, जो वही नं. 1, जिल्द नं 3024, पृष्ठ सं 281-294 प्रलेख सं. 2761 दि. 23.02.2011 को पंजीकृत हुआ था, दि0 23.10.2026 को रास्ते में गिर गयी है, जिसका प्रयोग अवैध होगा।

सुविचार

रिश्ते खूबसूरत तब बनते हैं, जब उनमें स्वार्थ नहीं, बल्कि सच्चा अपनापन और विश्वास होता है।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी 11:03-10:36 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उ. फाल्गुनी 03:30-03:55 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय	6:32 AM	चन्द्रोदय	02:40 AM
सूर्यास्त	5:33 PM	चंद्रास्त	03:00 PM
सूर्य राशि	तुला राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:52-05:43
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	01:25 PM: 02:48 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

8 नवंबर को मनेगी दीपावली, शाम को 5 :54 से प्रारंभ होगा पूजन



यूनिक समय, मथुरा। दीपों का पर्व दीपावली इस बार 8 नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा। दीपावली की तारीख को लेकर लोगों के बीच 7 और 8 नवंबर को लेकर असमंजस बना हुआ था। ज्योतिषाचार्य पं. अजय कुमार तैलंग के अनुसार, कार्तिक अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11:27 बजे से शुरू होकर 9 नवंबर को दोपहर 12:31 बजे तक रहेगी। उदया तिथि और प्रदोषकाल के संयोग को देखते हुए 8 नवंबर को दीपोत्सव मनाया जाएगा।

अमावस्या तिथि और शुभ मुहूर्त को लेकर दूर हुआ असमंजस

खील–बताशे और दीपकों से सजेगा घर–आंगन

लक्ष्मी–गणेश पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक रहेगा। इस दौरान श्रद्धालु विधि–विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा कर सुख–समृद्धि की कामना करेंगे। पं. अजय कुमार तैलंग के अनुसार दीपावली पूजन के लिए मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमाएं, चौकी, लाल कपड़ा, रोली, कुमकुम, चंदन, अक्षत, नारियल, गंगाजल, कलश, फूल, फल, धूप, कपूर और दीपक की व्यवस्था करनी चाहिए। मां लक्ष्मी को खील, बताशे और मिठाई अर्पित की जाती है।

दीपावली पर ऐसे करें मां लक्ष्मी और गणेश की पूजा

दीपावली पर शाम को शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करें। सबसे पहले पूजा स्थल की सफाई कर चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और दोनों देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित करें। इसके बाद दीपक जलाकर रोली, कुमकुम, चंदन और अक्षत से तिलक करें। भगवान गणेश को दूर्वा और मां लक्ष्मी को कमल के फूल अर्पित करें। पूजा में फल, मिठाई, खील–बताशे, नारियल और पान–सुपारी चढ़ाएं। धूप और कपूर से आरती करें। इसके बाद मां लक्ष्मी और भगवान गणेश से परिवार की सुख–समृद्धि, खुशहाली और धन–धान्य की कामना करें। घर के मुख्य द्वार और आंगन में दीपक जलाएं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम 14 वर्ष का वनवास पूरा कर रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे।

उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने दीप जलाए थे। तभी से दीपावली को अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक पर्व के रूप में मनाया जाता है।

JAIGURUDEV
MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

पांच साल की उम्र में ध्रुव ने मथुरा के इस टीले पर की थी तपस्या

छह महीने तक किया भगवान विष्णु का ध्यान

शत्रुघ्न के शासन से भी जुड़ा है मधुवन

नारद मुनि की सलाह पर शुरू की तपस्या



यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जिनका संबंध पौराणिक कथाओं से बताया जाता है। इन्हीं में मधुवन गांव स्थित ध्रुव टीला भी शामिल है। मान्यता है कि पांच वर्ष की आयु में ध्रुव महाराज ने इसी स्थान पर छह महीने तक कठोर तपस्या की थी। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए थे।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ध्रुव महाराज बचपन में ही भगवान विष्णु के अनन्य भक्त बन गए थे। नारद मुनि के मार्गदर्शन में उन्होंने मधुवन में तपस्या शुरू की। बताया जाता है कि छह महीने तक उन्होंने 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप किया। उनकी कठिन साधना से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए। यहां स्थित ध्रुव टीला करीब 200 फीट लंबा और 150 फीट ऊंचा बताया जाता है।

मधुवन धाम का संबंध भगवान राम के छोटे भाई शत्रुघ्न से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि उन्होंने इसी क्षेत्र में लवणासुर का वध किया था और मधुपुरी पर 11 हजार साल तक शासन किया। ध्रुव टीला मंदिर में भगवान नारायण, ध्रुव महाराज और नारद मुनि की प्रतिमाएं स्थापित हैं। मधुवन धाम को 84 कोस परिक्रमा का पहला पड़ाव भी माना जाता है। यहां बावन एकादशी पर विशेष धार्मिक मान्यता के चलते श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

धनतेरस पर अमृत कलश लेकर क्यों प्रकट हुए धन्वंतरि

यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस का पर्व केवल सोने–चांदी और बर्तन खरीदने तक सीमित नहीं है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा का भी विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद और स्वास्थ्य का देवता माना जाता है। यही वजह है कि धनतेरस पर उनकी पूजा कर लोग परिवार की अच्छी सेहत और लंबी उम्र की कामना करते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था। इसमें मंदराचल पर्वत को मथनी और नागराज वासुकि को रस्सी बनाया गया। भगवान विष्णु ने कच्छप अवतार लेकर पर्वत को आधार दिया। मंथन के दौरान



माता लक्ष्मी, ऐरावत हाथी, कल्पवृक्ष और कौस्तुभ मणि सहित कई दिव्य वस्तुएं निकलीं। इसी क्रम में भगवान धन्वंतरि अमृत से भरा कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि अमृत कलश को अमरता और जीवन का प्रतीक माना जाता है। भगवान धन्वंतरि के हाथों में अमृत कलश होना स्वास्थ्य और आरोग्य के महत्व को दर्शाता है। कथा के अनुसार, धन्वंतरि के प्रकट होते ही असुरों ने अमृत कलश छीन लिया। बाद में भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर अमृत देवताओं को पिलाया। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि की पूजा के पीछे भी निरोगी जीवन की कामना जुड़ी है। यह पर्व संदेश देता है कि धन–संपत्ति के साथ अच्छा स्वास्थ्य भी जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

धनतेरस पर स्वास्थ्य की कामना से होती है भगवान धन्वंतरि की पूजा

समुद्र मंथन से प्रकट हुए अमृत कलशधारी धन्वंतरि

आठ पहर और सात दिन का हिसाब, ऐसे बने 56 भोग का प्रसाद

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली के अगले दिन मनाई जाने वाली गोवर्धन पूजा पर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने की विशेष परंपरा है। ब्रज सहित देशभर के मंदिरों में इस दिन तरह–तरह के पकवान, मिठाइयां, फल और व्यंजन तैयार कर भगवान को अर्पित किए जाते हैं।

लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि कान्हा को 56 भोग ही क्यों लगाए जाते हैं? 55 या 57 क्यों नहीं? इसके पीछे भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला से जुड़ी रोचक धार्मिक मान्यता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। लगातार सात दिनों तक उन्होंने पर्वत को उठाए रखा। इस



दौरान कान्हा ने भोजन नहीं किया।

सात दिन भूखे रहे कृष्ण तभी शुरू हुई छप्पनभोग परंपरा

सात दिन पर्वत उठाया, आठ पहर नहीं किया भोजन

दिन में आठ बार भोजन कराती थीं। सात दिन तक भोजन नहीं करने के बाद जब बारिश रुकी और ब्रजवासी सुरक्षित हो गए तो माता यशोदा सहित सभी ब्रजवासियों ने कान्हा के लिए पकवान तैयार किए। सात दिनों के आठ पहर के हिसाब से 56 प्रकार के व्यंजन बनाए गए। तभी से भगवान को छप्पन भोग लगाने की परंपरा प्रचलित हुई।

मान्यता है कि बालकृष्ण को माता यशोदा

छप्पन भोग की संख्या का गणित बेहद सरल है।

एक दिन में आठ पहर और सात दिनों तक गोवर्धन पर्वत उठाने की मान्यता के अनुसार 8×7=56 भोग होते हैं। इसी वजह से इसे छप्पन भोग कहा जाता है।

इसमें माखन–मिश्री, पेड़ा, लड्डू, खीर, मालपुआ, रबड़ी, पूड़ी, कचौड़ी, दाल, चावल, फल और मेवे सहित अनेक पकवान शामिल किए जाते हैं। अलग–अलग मंदिरों और परिवारों में इनकी सामग्री बदल सकती है।

धार्मिक मान्यता में 56 भोग भगवान के प्रति ब्रजवासियों के प्रेम, आभार और समर्पण का प्रतीक हैं। हालांकि 55 या 57 भोग लगाने को लेकर कोई सार्वभौमिक निषेध नहीं है। भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा और भक्ति को ही सबसे महत्वपूर्ण माना गया है।

सम्पादकीय

अंग्रेजी की किताबें रटते बच्चे, बोलने में क्यों हकलाते



पवन गौतम
संपादक

हमारे स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाने का तरीका भी बड़ा दिलचस्प है। बच्चा सात साल तक अंग्रेजी की किताबें पढ़ता है, नाउन–प्रोनाउन याद करता है, टेंस के नियम रटता है और परीक्षा में अच्छे नंबर भी ले आता है। लेकिन जैसे ही कोई उससे अंग्रेजी में पूछ लेता है कि आपका नाम क्या है या कल क्या किया था, उसकी सारी अंग्रेजी छुट्टी पर चली जाती है। सवाल है कि आखिर स्कूल अंग्रेजी सिखा रहे हैं या अंग्रेजी का डर पैदा कर रहे हैं?

बेंगलुरु में रहने वाली हरप्रीत कौर का उदाहरण दिलचस्प है। पंजाबी पृष्ठभूमि की होने के बावजूद वे दूधवाले और घरेलू सहायिका से टूटी–फूटी कन्नड़ में बातचीत करने की कोशिश करती हैं। उनकी भाषा में गलतियां होती हैं, लेकिन सामने वाला उनकी कोशिश की सराहना करता है। यही भाषा सीखने का असली तरीका है। पहले बोलिए, फिर गलतियां सुधारिए। हमारे स्कूलों में इसका उलटा होता है। पहले गलती पकड़िए, फिर बच्चे का आत्मविश्वास तोड़िए!

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना देखिए कि अंग्रेजी की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक पाने वाला बच्चा भी दुकान पर जाकर अंग्रेजी में सामान मांगने से घबराता है। उसे व्याकरण के नियम याद हैं, लेकिन बातचीत के दो वाक्य नहीं आते। आखिर ऐसी शिक्षा किस काम की, जो दिमाग में नियम भर दे, लेकिन जुबान पर शब्द न ला सके?

स्कूलों में रोजाना 30 मिनट अंग्रेजी बोलने का अभ्यास अनिवार्य होना चाहिए। बच्चों को परिचय देना, बाजार में खरीदारी करना, रास्ता पूछना, कहानी सुनाना और अपनी राय रखना सिखाया जाए। जोड़ी बनाकर बातचीत कराई जाए और गलतियों पर हंसने के बजाय सुधारने का माहौल बनाया जाए।

यह भी समझना होगा कि अंग्रेजी बुद्धिमत्ता का प्रमाणपत्र नहीं है। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली या हिंदी बोलने वाला बच्चा किसी से कम नहीं। मातृभाषा उसकी पहचान है और अंग्रेजी अवसरों का एक माध्यम।

फंडा साफ है: स्कूलों को अंग्रेजी के तोते नहीं, आत्मविश्वास से बोलने वाले बच्चे तैयार करने चाहिए। वरना डिग्री पर अंग्रेजी चमकती रहेगी और इंटरव्यू में जुबान अटकती रहेगी। आखिर अंग्रेजी पढ़ने से नौकरी नहीं मिलती, कई बार उसे बोलना भी पड़ता है!

नजरिया

कांग्रेस की रैली में भीड़ का दावा खाली मैदान ने खोली पोल

राकेश जैन

दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को आयोजित कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की रैली ने एक बार फिर विपक्ष की रणनीति, राजनीतिक दावों और जनसमर्थन को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रैली से पहले कांग्रेस की ओर से दस लाख लोगों की भीड़ जुटने का दावा किया गया था, लेकिन रैली के बाद सामने आई तस्वीरों और राजनीतिक दलों के बयानों ने इन दावों पर बहस छेड़ दी। मैदान में खाली कुर्सियों और खाली तंबुओं की तस्वीरों को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने तो यहां तक आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने रैली में भारी भीड़ दिखाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार तस्वीरें साझा कीं।

राजनीति में किसी रैली की सफलता का आकलन केवल नेताओं के भाषणों या मंच की भव्यता से नहीं होता, बल्कि जनता की भागीदारी भी उसका महत्वपूर्ण पैमाना होती है। ऐसे में जब किसी आयोजन से पहले बड़े–बड़े दावे किए जाएं और बाद में उन दावों पर सवाल उठने लगें तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विश्वसनीयता प्रभावित होती है। कांग्रेस के लिए यह रैली अपनी ताकत दिखाने का अवसर थी, लेकिन भीड़ को लेकर उठे सवालों ने आयोजन के मूल मुद्दे को पीछे छोड़ दिया।

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन इस समय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने में जुटे हैं। राहुल गांधी लगातार चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों के कारण लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर भाजपा और चुनाव आयोग इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं।

लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों से पारदर्शिता की मांग करना भी जरूरी है। लेकिन किसी भी गंभीर आरोप को केवल भाषणों और नारों के सहारे साबित नहीं किया जा सकता। उसके लिए ठोस तथ्य, दस्तावेज और प्रमाण सामने रखने होते हैं। यदि विपक्ष को लगता है कि मतदाता सूची में अनियमितताएं हुई हैं तो उसे उदाहरणों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में दिए गए हलफनामे में कहा गया है कि इस प्रक्रिया से जुड़े निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए हैं। वहीं विपक्ष की ओर से इस प्रक्रिया को लेकर लगातार आपत्तियां जताई जा रही हैं। ऐसे में जनता के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों दोनों की है।

मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का विषय भी संवेदनशील है। यदि किसी व्यक्ति का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसे न्यायपूर्ण तरीके से सुधारने की व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरी ओर मृत मतदाताओं, स्थान बदल चुके लोगों और एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों को हटाना भी निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के लिए आवश्यक है। इसलिए इस पूरी प्रक्रिया पर चर्चा राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप के बजाय तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। रामलीला मैदान की रैली के बाद सबसे अधिक चर्चा भीड़ को लेकर हुई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेताओं की ओर से साझा की गई एक तस्वीर पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उसमें एआई का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की फेक नैरेटिव टीम मैदान को भरा हुआ दिखाने के लिए नकली तस्वीरें भी ठीक से तैयार नहीं कर पाई।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने भी कांग्रेस के दस लाख लोगों के जुटने के दावे पर



सवाल उठाए। उनका आरोप था कि मैदान का बड़ा हिस्सा खाली रहा और भीड़ दिखाने के लिए तस्वीरों के साथ प्रयोग किया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और तस्वीरों की वास्तविकता की जांच आवश्यक है। किसी भी राजनीतिक दल के दावे को अंतिम सत्य मानने के बजाय उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर निष्कर्ष निकालना चाहिए।

आज के डिजिटल दौर में एआई से तैयार तस्वीरें और वीडियो आम लोगों के लिए भ्रम की स्थिति पैदा कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को इस तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना चाहिए। यदि कोई दल अपनी रैली की वास्तविक भीड़ दिखाने के बजाय बढ़ा-चढ़ाकर तस्वीरें प्रस्तुत करता है तो इससे उसकी साख पर सवाल उठना स्वाभाविक है। राजनीति में छवि निर्माण महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन विश्वसनीयता का विकल्प नहीं बन सकता। कांग्रेस की रैली में राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई नेताओं ने चुनाव आयोग, केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए। लेकिन लोकतंत्र में किसी भी संस्थान के प्रति असहमति जताने का तरीका मर्यादित और तथ्यपूर्ण होना चाहिए। व्यक्तिगत टिप्पणियों और तीखे राजनीतिक बयानों से कुछ समय के लिए सुर्खियां तो मिल सकती हैं, लेकिन उनसे जनता के मन में उठ रहे सवालों का समाधान नहीं होता।

महात्मा गांधी के विचारों में सत्य और अहिंसा का विशेष महत्व था। उनका मानना था कि किसी भी संघर्ष में साधनों की पवित्रता उतनी ही जरूरी है जितना उसका उद्देश्य। यही सिद्धांत आज की राजनीति में भी प्रासंगिक है। चुनाव सुधारों की मांग हो या मतदाता सूची में पारदर्शिता का सवाल, दोनों के लिए सत्य और प्रमाण को आधार बनाना चाहिए।

विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना और उसकी नीतियों की आलोचना करना है। वहीं सरकार और संवैधानिक संस्थाओं का दायित्व है कि वे उन सवालों का संतोषजनक जवाब दें। लेकिन यदि राजनीतिक दल केवल आरोपों को दोहराते रहेंगे और प्रमाण सामने नहीं रखेंगे तो जनता का भरोसा कमजोर होगा।

रामलीला मैदान की रैली कांग्रेस के लिए अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने का अवसर थी। इसके बावजूद भीड़ के दावों और एआई तस्वीरों को लेकर उठे विवाद ने आयोजन की चर्चा को दूसरी दिशा में मोड़ दिया। कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर उसके बड़े राजनीतिक आयोजनों में जनता की भागीदारी और उसके दावों के बीच सवाल क्यों खड़े हो रहे हैं।

अंततः राजनीति में खाली कुर्सियां केवल किसी रैली की तस्वीर नहीं होतीं, बल्कि वे जनसमर्थन और संगठन की स्थिति पर विचार करने का अवसर भी देती हैं। लोकतंत्र में जनता का विश्वास हासिल करने के लिए बड़े दावों से ज्यादा जरूरी है स्पष्ट नीति, ठोस प्रमाण और जिम्मेदार राजनीतिक व्यवहार। क्योंकि मैदान की भीड़ तस्वीरों से बढ़ाई जा सकती है, लेकिन जनता का भरोसा केवल सच्चाई से ही जीता जा सकता है।

विचार विंडो

55 हजार मौतों का खतरा, फिर भी सियासत खामोश

योगेंद्र योगी

देश की राजनीति में चुनाव, सत्ता, आरोप–प्रत्यारोप और राजनीतिक रैलियों पर खूब चर्चा होती है, लेकिन आम आदमी के जीवन से जुड़े गंभीर मुद्दे अक्सर पीछे छूट जाते हैं। जलवायु परिवर्तन भी ऐसा ही एक मुद्दा है, जिसका प्रभाव हर साल अधिक गंभीर होता जा रहा है। इसके बावजूद राजनीतिक दलों के एजेंडे में पर्यावरण और उससे पैदा होने वाले संकट को वह जगह नहीं मिलती, जिसकी जरूरत है। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के एक अनुमान ने इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया है। इसके मुताबिक अलनीनो के प्रभाव से भारत में लगभग 55,200 अतिरिक्त मौतों की आशंका जताई गई है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने का अनुमान चिंताजनक है, लेकिन देश की राजनीति में इस पर अपेक्षित चर्चा दिखाई नहीं देती।

अलनीनो एक प्राकृतिक मौसमी घटना है, जिसमें मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका असर दुनिया भर के मौसम पर पड़ता है। कहीं अत्यधिक गर्मी पड़ती है तो कहीं सूखे की स्थिति बनती है। बारिश के पैटर्न में बदलाव आता है और कई क्षेत्रों में जल संकट गहरा जाता है। इसका प्रभाव केवल मौसम तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, रोजगार और खाद्य सुरक्षा तक पहुंचता है।

क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के अलनीनो हीट मॉर्टेलिटी ट्रैकर के अनुसार जून 2026 से मार्च 2027 तक दुनिया में गर्मी के कारण लगभग 8.57 लाख अतिरिक्त मौतें होने का अनुमान है। इनमें भारत, नाइजीरिया और ब्राजील जैसे देशों



में बड़ी संख्या में मौतें होने की आशंका जताई गई है। भारत के लिए 55,200 मौतों का अनुमान विशेष रूप से चिंता का विषय है। हालांकि ये वैज्ञानिक पूर्वानुमान हैं, निश्चित आंकड़े नहीं। वास्तविक स्थिति मौसम की परिस्थितियों और बचाव के इंतजामों पर निर्भर करेगी। इस संकट की सबसे बड़ी मार गरीब और कमजोर वर्गों पर पड़ती है। जिन लोगों के पास पक्के मकान, पर्याप्त पेयजल, बिजली, पंखे और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं, उनके लिए भीषण गर्मी का सामना करना बेहद कठिन होता है। दिहाड़ी मजदूर, किसान, निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक और खुले स्थानों पर काम करने वाले लोग सीधे इसकी चपेट में आते हैं। संपन्न परिवार गर्मी से बचने के लिए संसाधनों का सहारा ले सकते हैं, लेकिन गरीबों के सामने विकल्प सीमित होते हैं। इतिहास गवाह है कि अलनीनो के गंभीर प्रभाव कितने विनाशकारी हो सकते हैं। वर्ष 1877–1878 के सुपर अलनीनो को दुनिया की सबसे भयावह मौसमी घटनाओं में गिना जाता है। उस समय भारत, चीन और ब्राजील सहित कई देशों में सूखे की स्थिति पैदा हुई थी। बारिश की कमी से फसलें बर्बाद हुईं और खाद्य संकट ने गंभीर रूप ले लिया। अकाल और बीमारियों के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। इतिहास की ऐसी घटनाएं केवल पढ़ने के लिए नहीं हैं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए चेतावनी भी हैं। आज विज्ञान के पास मौसम का पूर्वानुमान लगाने के बेहतर साधन हैं। उपग्रहों, जलवायु मॉडल और वैज्ञानिक अध्ययनों की मदद से संभावित संकटों का पहले से अनुमान लगाया जा सकता है। ऐसे में सरकारों के पास तैयारी करने का अवसर भी है। भारत के लिए अलनीनो का प्रभाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संबंध दक्षिण–पश्चिम मानसून की बारिश से है। सामान्यतः अलनीनो की स्थिति में मानसून कमजोर पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। बारिश में कमी का सीधा असर खेती, जलाशयों और भूजल स्तर पर पड़ता है। यदि आने वाले महीनों में गर्मी बढ़ती है और बारिश का वितरण असमान रहता है तो किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जलवायु परिवर्तन लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है तो राजनीतिक दल इसे चुनावी बहस का प्रमुख मुद्दा क्यों नहीं बनाते? चुनाव के समय मुफ्त सुविधाओं, जातीय समीकरणों, धार्मिक मुद्दों और सत्ता परिवर्तन पर लंबी बहस होती है, लेकिन स्वच्छ हवा, पेयजल, बढ़ते तापमान और जल संरक्षण जैसे विषयों पर गंभीर राजनीतिक चर्चा कम दिखाई देती है। इसका एक कारण यह भी है कि पर्यावरण संकट का प्रभाव धीरे–धीरे सामने आता है। इसका नुकसान किसी एक दिन या एक घटना तक सीमित नहीं होता। गर्मी से होने वाली बीमारियां, पानी की कमी, फसलों का नुकसान और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें समाज के अलग–अलग वर्गों को लंबे समय तक प्रभावित करती हैं। ऐसी समस्याओं को चुनावी नारों में बदलना आसान नहीं होता। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सरकारें अपनी जिम्मेदारी से बच सकती हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को संभावित संकट से निपटने के लिए अभी से ठोस कदम उठाने चाहिए। शहरों और गांवों में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था, सार्वजनिक स्थानों पर छायादार स्थल, गर्मी से बचाव के केंद्र और अस्पतालों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करनी होंगी। किसानों को मौसम के अनुसार फसल चयन की सलाह, कम पानी वाली फसलों को प्रोत्साहन और सिंचाई के बेहतर साधन उपलब्ध कराने होंगे। जलाशयों और भूजल का संरक्षण भी प्राथमिकता बनना चाहिए। अलनीनो का संकट किसी एक राजनीतिक दल या सरकार का विषय नहीं है। यह राष्ट्रीय स्तर की चुनौती है, जिसके लिए केंद्र, राज्य, स्थानीय निकायों और समाज को मिलकर काम करना होगा। वैज्ञानिक संस्थानों के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए समय रहते तैयारी करना जरूरी है। 55,200 संभावित मौतों का अनुमान केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के सामने खड़े खतरे की चेतावनी है। यदि समय रहते इंतजाम नहीं किए गए तो इसका सबसे अधिक खामियाजा उन लोगों को भुगतना पड़ेगा, जिनकी आवाज पहले ही व्यवस्था तक मुश्किल से पहुंचती है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता का जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य किसी भी चुनावी मुद्दे से बड़ा है। सत्ता की लड़ाई में पर्यावरण को भुला देना आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। जिस देश में गर्मी और पानी का संकट लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ने लगे, वहां विकास की राजनीति में पर्यावरण को सबसे ऊपर रखना ही होगा।

पीवी सिंधु–चानू समेत 10 खिलाड़ी आईओए एथलीट्स कमीशन में चुने गए

सुधा सिंह और किदांबी श्रीकांत के नाम वापस लेने से निर्विरोध हुआ चुनाव

7 नवंबर को चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के लिए होगी वोटिंग



यूनिक समय, नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और मीराबाई चानू समेत 10 खिलाड़ी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट्स कमीशन में निर्विरोध चुन लिए गए हैं। मंगलवार को रिटर्निंग ऑफिसर संजय के श्रीवास्तव ने सभी सदस्यों के निर्वाचन की घोषणा की। कमीशन में पांच पुरुष और पांच महिला खिलाड़ियों को जगह मिली है। इन सभी का कार्यकाल 2026 से 2030 तक रहेगा। दरअसल, पूर्व एथलीट सुधा सिंह और बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। इसके बाद 10 पदों के लिए 10 ही उम्मीदवार मैदान में बचे, जिससे 3 नवंबर को प्रस्तावित मतदान रद्द करना पड़ा। चुने गए खिलाड़ियों में पुरुष वर्ग से हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, तैराक साजन प्रकाश, एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर, निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और मंजीत सिंह शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, बॉम्बेला देवी, हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे और तलवारबाज भवानी देवी को जगह मिली है। नियमों के मुताबिक, छह सदस्य ऐसे होने जरूरी हैं जिन्होंने पिछले तीन ओलंपिक में हिस्सा लिया हो, जबकि बाकी चार सीटें अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं के लिए निर्धारित हैं। एशियाई ओलंपिक परिषद के दो भारतीय प्रतिनिधि शिवा केशवन और राजेश्वरी कुमारी भी कमीशन के पदेन सदस्य होंगे। अब 7 नवंबर को चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव होगा। इसके लिए 4 और 5 नवंबर को नामांकन दाखिल किए जाएंगे, जबकि 6 नवंबर को अंतिम सूची जारी होगी। मतदान वर्चुअल माध्यम से कराया जाएगा। दोनों पदों पर एक पुरुष और एक महिला का चुना जाना जरूरी है। चेयरमैन और वाइस चेयरमैन आईओए की कार्यकारी परिषद के सदस्य भी बनेंगे। वहीं, कमीशन के दो प्रतिनिधि आईओए की जनरल बॉडी में मतदान का अधिकार हासिल करेंगे। हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे 24 साल की होने के कारण चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव नहीं लड़ सकेंगी, क्योंकि इसके लिए न्यूनतम उम्र 25 साल निर्धारित है।

रवि दुबे ने छुए सनी देओल के पैर, जीता दिल

'रामायण' की स्क्रीनिंग का वीडियो वायरल

सनी पाजी ने गले लगाकर दिया आशीर्वाद

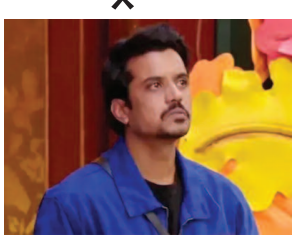


यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'रामायण' की मुंबई स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेता रवि दुबे ने कुछ ऐसा किया, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। दरअसल, 3 नवंबर को फिल्म की कास्ट और क्रू के लिए मुंबई में स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। इस दौरान रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, सनी देओल, नीतू कपूर, विवेक ओबेरॉय और रवि दुबे समेत कई सितारे पहुंचे थे। इसी इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रवि दुबे रेड कार्पेट पर अभिनेता सनी देओल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। रवि के इस अंदाज को देखकर सनी देओल ने भी उन्हें तुरंत गले लगा लिया। वीडियो सामने आने के बाद लोग रवि दुबे के व्यवहार और संस्कारों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, इस मौके पर रवि अपनी पत्नी सरगुन मेहता के साथ पहुंचे थे। बता दें कि नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म का कुल बजट करीब 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला भाग 5 नवंबर 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा।

आसिफ खान ने खोले बिग बॉस के राज, काजी को बताया ड्रामेबाज

आम्रपाली को कहा– सबसे फेक कंटेस्टेंट

सलमान खान की सलाह और घर के झगड़ों पर भी खुलकर की बात



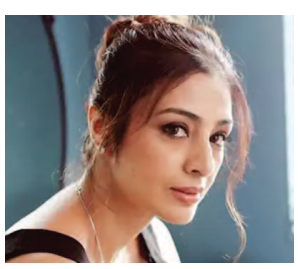
यूनिक समय, नई दिल्ली। वेब सीरीज 'पंचायत' में दामाद जी का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता आसिफ खान का 'बिग बॉस 20' का सफर करीब 8 हफ्तों बाद खत्म हो गया है। शो से बाहर आने के बाद उन्होंने इंटरव्यू में घर के अंदर के अनुभवों और दूसरे कंटेस्टेंट्स को लेकर कई खुलासे किए। उन्होंने काजी को ड्रामेबाज और आम्रपाली को घर का सबसे फेक सदस्य बताया। आसिफ ने सलमान खान से मिले फीडबैक पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सलमान सर की सलाह को उन्होंने हमेशा सकारात्मक रूप से लिया। दूसरे हफ्ते में सलमान ने उन्हें ज्यादा झगड़े करने पर समझाया था, जिसके बाद उन्होंने अपने व्यवहार में बदलाव किया। आसिफ ने बताया कि घर में कई बार उनके झगड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया।

काजी के साथ विवाद में भी उन्हें लगा कि फीडबैक सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह शो में अपनी असली भावनाओं के साथ रहे और कभी गेम के लिए नकली व्यवहार नहीं किया। आसिफ ने स्काउट को घर का सबसे अच्छा इंसान बताया और कहा कि उनके मुताबिक स्काउट, यंग और आरिश्फा ट्रॉफी के हकदार हैं। वहीं, उन्होंने आम्रपाली को सबसे ज्यादा गॉसिप करने वाली कंटेस्टेंट भी बताया। आसिफ ने कहा कि शो में आठ हफ्तों के दौरान दर्शकों का मनोरंजन करना उनके लिए किसी ट्रॉफी से कम नहीं है।

तब्बू के प्यार के रिश्ते अधूरे रहे चुनी अकेले जिंदगी

बचपन में पिता से टूटा रिश्ता

संजय कपूर और नागार्जुन से जुड़ा नाम



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू 4 नवंबर को अपना 55वां जन्मदिन मना रही हैं। करीब चार दशक के फिल्मी करियर में उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से अलग पहचान बनाई, लेकिन उनकी निजी जिंदगी कई उतार–चढ़ाव से गुजरी। महज तीन साल की उम्र में उनके माता–पिता का तलाक हो गया था। इसके बाद उनकी परवरिश मां और नाना–नानी ने की। तब्बू ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने कभी अपने पिता से मिलने की इच्छा महसूस नहीं की। फिल्मी करियर के दौरान उनका नाम अभिनेता संजय कपूर से जुड़ा। दोनों फिल्म 'प्रेम' की शूटिंग के दौरान करीब आए थे, लेकिन फिल्म खत्म होते–होते उनकी बातचीत भी बंद हो गई। इसके बाद निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ उनके रिश्ते की चर्चा हुई। वहीं, अभिनेता नागार्जुन के साथ भी उनका नाम करीब एक दशक तक जुड़ा रहा। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दिया। तब्बू की जिंदगी का एक मुश्किल दौर काले हिरण शिकार मामले से भी जुड़ा रहा। 1998 में इस मामले में उनका नाम सामने आया था। 2018 में जोधपुर कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया, हालांकि 2025 में राजस्थान सरकार ने फैसले को चुनौती दी। तब्बू ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सिंगल रहना बुरी बात नहीं है। गलत पार्टनर के साथ रहने से बेहतर अकेले रहना है।

विराट कोहली ने लपका हैरतअंगेज कैच, धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा

37 साल की उम्र में न्यूजीलैंड में रचा इतिहास

स्लिप में एक हाथ से पकड़ा शानदार कैच



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी शानदार फील्डिंग से सभी को हैरान कर दिया। कोहली ने दूसरी स्लिप में खड़े होकर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज नेथन स्मिथ का एक हाथ से शानदार कैच पकड़ा। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। न्यूजीलैंड की पारी के 29वें ओवर में अंशुल कंबोज की तीसरी गेंद पर नेथन स्मिथ के बल्ले का किनारा लगा और गेंद दूसरी स्लिप की तरफ चली गई। वहां मौजूद कोहली ने दाईं ओर डाइव लगाते हुए एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया। कैच पकड़ने के बाद कोहली काफी उत्साहित नजर आए और तेजी से दौड़कर जश्न मनाया। तीसरे अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद कैच को सही करार दिया।

इस कैच के साथ कोहली न्यूजीलैंड की धरती पर कैच पकड़ने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 37 साल 364 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि धोनी ने 37 साल 218 दिन की उम्र में कैच पकड़ा था।

मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह ने चार विकेट, गुरनूर बरार ने तीन और अंशुल कंबोज ने दो विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 185 रन पर समेट दिया।

बांग्लादेश में भारतीय फुटबॉल टीम के साथ बदइंतजामी

एसएएफएफ चैंपियनशिप खेलने ढाका पहुंची टीम के लिए होटल में कमरे ही बुक नहीं थे

5 नवंबर को पाकिस्तान से होगा भारत का पहला मुकाबला



यूनिक समय, नई दिल्ली। एसएएफएफ चैंपियनशिप 2026 में हिस्सा लेने के लिए बांग्लादेश पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम को वहां पहुंचते ही अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए होटल में कमरे बुक नहीं होने के कारण पूरी टीम को घंटों इंतजार करना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम दोपहर करीब 2:15 बजे बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंची थी। इसके बाद खिलाड़ी गुलशन एवेन्यू स्थित एक निजी होटल पहुंचे, लेकिन वहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम से कमरे आरक्षित ही नहीं किए गए हैं। इस वजह से खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। 'स्पोर्टस्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 5 बजे तक भी भारतीय खिलाड़ियों को होटल में कमरे नहीं मिल पाए थे।भारत इस बार एसएएफएफ चैंपियनशिप में अपनी दूसरी टीम यानी सेकंड–स्ट्रिंग स्क्वॉड के साथ उतर रहा है। भारतीय टीम अब तक नौ बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीत चुकी है और मौजूदा चैंपियन भी है। पिछले संस्करण में बेंगलुरु में खेले गए फाइनल में भारत ने कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

इस बार मुख्य खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलने के लिए भेजा जाएगा। भारतीय अंडर–23 टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा को भी कई अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम तैयार करनी पड़ रही है। दरअसल, कुछ क्लबों ने फीफा विंडो के बाहर होने के कारण अपने खिलाड़ियों को पहले मुकाबले के लिए रिलीज करने से इनकार कर दिया है। भारत को ग्रुप–बी में पाकिस्तान और मालदीव के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 नवंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। ढाका के नेशनल स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे शुरू होगा। वहीं, ग्रुप–ए में मेजबान बांग्लादेश के साथ श्रीलंका और भूटान हैं। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 17 नवंबर को खेला जाएगा।

सुरेश रैना ने सीएसके से मांगी कोचिंग की जिम्मेदारी, फ्रेंचाइजी के फैसले का इंतजार

धोनी के साथ चार आईपीएल खिताब जीत चुके रैना बोले पीली जर्सी मेरे लिए सब कुछ

अनुभव से टीम को ट्रॉफी जिताने में करना चाहता हूं मदद

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोचिंग स्टाफ से जुड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने फ्रेंचाइजी के सामने अपनी बात रख दी है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान रैना ने कहा कि अब फैसला सीएसके को करना है। वह किसी भी भूमिका में टीम के साथ रहकर खिलाड़ियों को ट्रॉफी जीतने में मदद करना चाहते हैं। रैना ने कहा कि पीली जर्सी उनके लिए बहुत मायने रखती है और वह अपना क्रिकेट अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करना चाहते हैं। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट, आईपीएल और वर्ल्ड कप खेलने के दौरान दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना सीखा है। रैना 2008 से 2021 तक सीएसके का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2010, 2011, 2018 और 2021 में चार आईपीएल खिताब जीते। इसके अलावा टीम के साथ दो चैंपियंस लीग ट्रॉफी भी अपने नाम कीं। वह सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, इसी वजह से उन्हें 'मिस्टर आईपीएल' कहा जाता है। टीम के दो साल के निलंबन के दौरान उन्होंने 2016 और 2017 में गुजरात लायंस की कप्तानी भी की थी। आईपीएल 2027 से पहले सीएसके ने अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। स्टीफन फ्लेमिंग की जगह जहीर खान को हेड कोच बनाया गया है, जबकि मोहित शर्मा गेंदबाजी कोच होंगे। गैरेथ बैटी और एल्बी मोर्कल असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे। फ्लेमिंग 2009 से 2026 तक टीम के मुख्य कोच रहे।

राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर धमाका ट्रेन उड़ाने की साजिश का शक

पैसेंजर ट्रेन गुजरने के करीब एक घंटे बाद हुआ ब्लास्ट

दो स्लीपर क्षतिग्रस्त सुरक्षा के चलते चार ट्रेनें रद्द



यूनिक समय, श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेलवे ट्रैक पर हुए संदिग्ध विस्फोट से हड़कंप मच गया। भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक अनूपगढ़–सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर 50जीबी गांव के पास यह धमाका हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात एक पैसेंजर ट्रेन के गुजरने के करीब एक घंटे बाद रेलवे ट्रैक पर विस्फोट हुआ। इस घटना के बाद ट्रेन को निशाना बनाकर साजिश रचे जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, धमाके के पीछे किसका हाथ है और इसका उद्देश्य क्या था, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही हैं। रेलवे के सीनियर डीसीएम वीरेंद्र जोशी के मुताबिक, विस्फोट में रेलवे ट्रैक के दो स्लीपर क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की इंजीनियरिंग, सुरक्षा और अन्य संबंधित टीमें मौके पर पहुंच गईं। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए अनूपगढ़–सूरतगढ़ रेलखंड पर चलने वाली दो जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। वहीं, भटिंडा–अनूपगढ़ ट्रेन को सूरतगढ़ स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया गया। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शुरुआती जांच में रिमोट डिवाइस के जरिए विस्फोट किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश भी घटनास्थल पर पहुंचे और अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। सुरक्षा एजेंसियों ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। रेलवे अधिकारी और स्थानीय प्रशासन घटनास्थल पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। धमाके के बाद क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। रेलवे प्रशासन जल्द से जल्द रेल सेवा बहाल करने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां विस्फोट के कारणों, इस्तेमाल किए गए उपकरण और संभावित साजिश के पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। सीमा से सटे संवेदनशील इलाके में हुई इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

कानपुर में बुलेट ट्रेन का बनेगा अलग स्टेशन

आगरा से कानपुर होते हुए लखनऊ तक जुड़ेगा रूट

दिल्ली से शहर पहुंचने में लगेंगे सिर्फ एक घंटा 45 मिनट



यूनिक समय, कानपुर। देश में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर कानपुर के लिए बड़ी जानकारी सामने आई है। शहर में हाई स्पीड ट्रेन के ठहराव के लिए अलग रेलवे स्टेशन बनाने की तैयारी की जा रही है। कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी के मुताबिक, स्टेशन के लिए अटल घाट के पास जगह या शहर के भीतर टनल के जरिए स्टेशन बनाने के प्रस्ताव पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि स्टेशन ऐसी जगह होना चाहिए, जहां आम लोगों को आने–जाने में आसानी हो। हालांकि, इसकी अंतिम लोकेशन और निर्माण की तकनीक पर अभी आधिकारिक मुहर नहीं लगी है। सांसद ने बताया कि प्रस्तावित रूट में बदलाव कर बुलेट ट्रेन को आगरा से सीधे कानपुर होते हुए लखनऊ तक जोड़ने का प्रयास किया गया है। इससे कानपुर को हाई स्पीड रेल नेटवर्क में अहम जगह मिलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, प्रस्तावित नॉर्थ कॉरिडोर तैयार होने पर दिल्ली से कानपुर का सफर करीब एक घंटा 45 मिनट में पूरा हो सकेगा। दिल्ली से आगरा पहुंचने में 59 मिनट और लखनऊ पहुंचने में करीब दो घंटे 12 मिनट लगेंगे। इस परियोजना से कारोबार, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में भी कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है।

त्योहारों पर सुरक्षा को लेकर सीएम योगी सख्त, अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

बोले–सौहार्द बिगाड़ने की साजिश बर्दाश्त नहीं होगी

बाजारों से धार्मिक स्थलों तक बढ़ेगी निगरानी



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दीपोत्सव, दीपावली, छठ और देव दीपावली को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कानून–व्यवस्था की समीक्षा के लिए हाई लेवल बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। सामाजिक सौहार्द और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने शासन से लेकर थानों तक के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां भी निरस्त कर दी हैं। उन्होंने असामाजिक तत्वों और उपद्रव फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी रखने और अफवाह या भड़काऊ संदेश फैलाने वालों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया। अयोध्या में 7 नवंबर को होने वाले दीपोत्सव के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात और पार्किंग की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख मंदिरों और संवेदनशील धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। धनतेरस और दीपावली के मद्देनजर बाजारों में पैदल गश्त बढ़ाने और सीसीटीवी कैमरे चालू रखने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने पटाखों की दुकानों और अस्थायी गोदामों को घनी आबादी से दूर सुरक्षित स्थानों पर लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी समेत वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी शामिल हुए।

बार अध्यक्ष हत्याकांड के आरोपी ठेकेदार पर कार्रवाई की तैयारी

इंद्रजीत यादव की गिरफ्तारी के बाद नगर निगम खंगाल रहा फाइलें

अधूरे विकास कार्यों पर लटक सकता है संकट



यूनिक समय, कानपुर। कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार की हत्या के मामले में ठेकेदार इंद्रजीत यादव की गिरफ्तारी के बाद कानपुर नगर निगम में हलचल तेज हो गई है। आरोपी की तीन फर्मों को करीब 15 से 20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के टेंडर मिले हैं। इनमें सड़क निर्माण समेत कई महत्वपूर्ण काम शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद नगर निगम अधिकारियों ने संबंधित फर्मों की फाइलें खंगालनी शुरू कर दी हैं। जांच में आईजे टाइल्स इंडस्ट्रीज, आईजे कंस्ट्रक्शन और अनमोल ट्रेडिंग कंपनी के पंजीकरण तथा टेंडर आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। नगर निगम के जोन–5 में आरोपी की फर्म को करीब 4 करोड़ रुपये के 9 बड़े काम मिले थे। इनमें दो प्रमुख सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि अन्य कार्य अधूरे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, दूसरे जोन और केडीए, पीडब्ल्यूडी जैसे विभागों में मिले ठेकों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। खास बात यह है कि आरोपी की एक फर्म पहले भी दस्तावेजों में कमियां मिलने के कारण जांच के घेरे में आई थी और उसे ब्लैकलिस्ट करने की संस्तुति हुई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब अधिकारियों का कहना है कि सभी दस्तावेजों की जांच के बाद नियमानुसार फैसला लिया जाएगा। फर्मों पर कार्रवाई होने की स्थिति में अधूरे विकास कार्यों को पूरा कराने में देरी हो सकती है।

प्रयागराज में भाजपा की पदयात्रा में पहुंचे केशव मौर्य, उमड़ा कार्यकर्ताओं का हुजूम

250 बाइकों के काफिले के साथ आए मंत्री नंदी, पत्नी अभिलाषा भी रहीं मौजूद

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' में शामिल होने के लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पहुंच गए हैं। सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर 3 हजार से अधिक भाजपा कार्यकर्ता जुटे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी करीब 250 बाइकों के काफिले के साथ पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी भी मौजूद रहीं। काशी क्षेत्र के अलग–अलग जिलों से भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता बाइक रैली, कारों और अन्य वाहनों के काफिले के साथ प्रयागराज पहुंचे। कई कार्यकर्ता डीजे और बैंड लेकर भी आए, जिससे इलाके में राजनीतिक माहौल देखने को मिला। कुछ कार्यकर्ता थार और स्कॉर्पियो जैसी गाड़ियों से भी पहुंचे। भाजपा की ओर से इस पदयात्रा के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' का नारा दिया गया है। पदयात्रा सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल से शुरू होकर सुभाष चौराहे पर बनी शहीद वॉल तक जाएगी। आयोजन में प्रयागराज के भाजपा सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के भी शामिल होने की तैयारी है। पार्टी का कहना है कि इस कार्यक्रम के जरिए लोकतंत्र की रक्षा और अराजकता के विरोध का संदेश दिया जाएगा।

सस्पेंशन के तीन दिन बाद दरोगा ने दी जान

सुबह पिता से हुई आखिरी बातचीत

नाश्ता लेने गए थे पिता, लौटे तो कमरे में फंदे से लटका मिला बेटा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में निलंबित दरोगा सुंदरम तिवारी का शव बुधवार को उनके किराए के मकान में फंदे से लटका मिला। घटना बन्नादेवी थाना क्षेत्र की रामनगर कॉलोनी स्थित आईटीआई रोड की है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सुंदरम मूल रूप से मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के परौरा गांव के रहने वाले थे। वह अपने पिता श्रीचंद्र तिवारी के साथ अलीगढ़ में रहते थे। करीब तीन साल पहले उनका चयन उत्तर प्रदेश पुलिस की दरोगा भर्ती में हुआ था और वर्तमान में उनकी तैनाती अलीगढ़ में थी। पुलिस के मुताबिक, तीन दिन पहले सुंदरम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें वह दीवानी कचहरी परिसर के बाहर कथित तौर पर शराब के नशे में झूमते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। पिता के अनुसार, इस कार्रवाई के बाद से सुंदरम मानसिक रूप से परेशान थे। हालांकि, वह रोजाना हाजिरी लगाने पुलिस लाइन जा रहे थे। पिता श्रीचंद्र तिवारी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब आठ बजे बेटे से उनकी आखिरी बातचीत हुई थी। सुंदरम ने उन्हें बाजार से नाश्ता लाने के लिए भेजा था। पिता दुकान पहुंचे तो उन्होंने बेटे को कई बार फोन किया, लेकिन कॉल का जवाब नहीं मिला। इसके बाद वह तुरंत घर लौटे तो कमरे में सुंदरम का शव फंदे से लटका मिला। पिता के मुताबिक, वह इन दिनों बेटे की शादी के लिए रिश्ता भी तलाश रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में सांस लेना हुआ मुश्किल, एक्यूआई 427 पार

स्मॉग की मोटी चादर में लिपटा शहर, सेक्टर–62 की हवा सबसे जहरीली

जीआरएपी–2 लागू होने के बावजूद प्रदूषण से राहत नहीं



यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार की सुबह पूरा शहर स्मॉग की मोटी चादर में लिपटा नजर आया। आसमान में छाई धुंध के बीच लोगों को जहरीली हवा में दिन की शुरुआत करनी पड़ी। शहर की वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो गई है कि लोगों को सांस लेने में भी परेशानी महसूस हो रही है। बुधवार सुबह 9 बजे नोएडा का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 316 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। वहीं, सेक्टर–62 में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक रही, जहां एक्यूआई 427 तक पहुंच गया। यह स्तर गंभीर श्रेणी में आता है और लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। शहर के अलग–अलग सेक्टरों में भी प्रदूषण का असर साफ दिखाई दिया। सेक्टर–110 में एक्यूआई 350, सेक्टर–150 में 351, सेक्टर–39 में 317 और सेक्टर–1 में 251 दर्ज किया गया। आंकड़े बताते हैं कि नोएडा के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब बनी हुई है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है।

दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी)–2 लागू किया गया है, लेकिन इसके बावजूद नोएडा की हवा में सुधार नहीं हो रहा है। ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों और नियमों के प्रभावी पालन पर सवाल उठने लगे हैं।

पिछले चार दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो एक नवंबर को नोएडा का एक्यूआई 248 था, जो दो नवंबर को बढ़कर 330 पहुंच गया। प्रदूषण के साथ दिल्ली–नोएडा बॉर्डर पर जाम की समस्या भी लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। दिल्ली में बीएस–4 वाहनों के प्रवेश पर रोक और वाहनों की जांच के चलते चिल्ला बॉर्डर तथा सेक्टर–62 के आसपास यातायात का दबाव बढ़ गया है। वाहनों की लंबी कतारों के कारण लोगों को आने–जाने में काफी समय लग रहा है। सड़कों पर वाहनों के रेंगने और लंबे समय तक खड़े रहने से परेशानी और बढ़ रही है। ऐसे हालात में नोएडावासियों को प्रदूषण से राहत मिलने का इंतजार है।

दिवाली पर रेलवे का तोहफा, दो स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

यूनिक समय, लखनऊ। त्योहारों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दो विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। चंडीगढ़–पटना स्पेशल छह नवंबर को रात 10 बजे चंडीगढ़ से रवाना होगी, जबकि वापसी में सात नवंबर को रात 11:15 बजे पटना से चलेगी। इसका ठहराव आलमनगर, उतरठिया, सुल्तानपुर और वाराणसी समेत कई स्टेशनों पर होगा। ट्रेन में 17 कोच लगाए जाएंगे। वहीं, रानी कमलापति–गोरखपुर स्पेशल सात नवंबर को शाम 6:45 बजे रवाना होगी। इसका ठहराव झांसी, उरई, कानपुर, लखनऊ और बाराबंकी में होगा। वापसी में यह नौ नवंबर को गोरखपुर से सुबह 7:50 बजे चलेगी। इसमें 18 कोच होंगे। दोनों ट्रेनों में एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

आंध्र में मुरासु तूफान से तबाही, 35 ट्रेनें रद्द, दिल्ली में एक्यूआई 605





12 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविरों में पहुंचाए गए

यूपी के 10 से अधिक जिलों में कोहरा, कई राज्यों में बदला मौसम

यूनिक समय, नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान मुरासु ने आंध्र प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। तूफान के कारण अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 52 हजार हेक्टेयर से ज्यादा फसलें बर्बाद हो गई हैं। हालात को देखते हुए 35 से अधिक ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। प्रशासन ने 12,230 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, राज्य को करीब 344 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने बुधवार को भी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश की आशंका जताई है। काकीनाड़ा समेत कई क्षेत्रों में जलभराव से लोगों को परेशानी हो रही है। तूफान का असर ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी दिखाई दिया है। उत्तर प्रदेश में मौसम ने करवट ली है और ठंड बढ़ने लगी है। पिछले 24 घंटे में तापमान करीब चार डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। बुधवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, मुरादाबाद, बिजनौर और हापुड़ समेत 10 से अधिक जिलों में कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में पूर्वांचल के कुछ जिलों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। बुधवार सुबह 7:41 बजे राजधानी का एक्यूआई 605 दर्ज किया गया, जबकि इंडिया गेट के आसपास यह 414 रहा। दोनों आंकड़े गंभीर प्रदूषण की स्थिति दर्शाते हैं। राजस्थान के सीकर और फतेहपुर में तापमान गिरने से माउंट आबू जैसी सर्दी महसूस की जा रही है। मध्य प्रदेश के पांच जिलों में तूफान के असर से बारिश की संभावना है। बिहार में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। हरियाणा के 12 शहरों में प्रदूषण का असर बना हुआ है। पंजाब और चंडीगढ़ में 9 नवंबर तक बारिश की संभावना नहीं है। हिमाचल में भी 9 नवंबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान है, जबकि उत्तराखंड में 11 नवंबर तक मौसम शुष्क रह सकता है।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने की रोक पर एससी की अहम टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा–बदलती जनसंख्या के दौर में ऐसे कानूनों की प्रासंगिकता खत्म

2003 के फैसले को बड़ी बेंच के पास भेजा



यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों में दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवारों को अयोग्य ठहराने वाले कानूनों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि देश में घटती प्रजनन दर को देखते हुए ऐसे प्रतिबंधों का आधार अब कमजोर पड़ चुका है। अदालत के मुताबिक, भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। यह 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर से भी कम है। इससे भविष्य में आबादी की उम्र बढ़ने और कामकाजी लोगों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि अत्यधिक जनसंख्या का डर अब ऐसे कानूनों को सही ठहराने का पर्याप्त आधार नहीं रह गया है। अदालत ने यह भी चिंता जताई कि इन प्रतिबंधों के कारण नागरिकों का एक पूरा वर्ग राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित हो सकता है, जबकि बच्चों की संख्या का किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से सीधा संबंध नहीं है। पीठ ने 2003 के 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' मामले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। उस फैसले में हरियाणा पंचायती राज अधिनियम के दो बच्चों वाले नियम को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया गया था। इसके साथ ही अदालत ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता भी रद्द कर दी, जिन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण पद से अयोग्य ठहराया गया था।

बीटेक पास दीपांशी ऐसे उड़ाती थी करोड़ों रुपये

बैंक अधिकारियों के लॉगिन और पासवर्ड का करती थी इस्तेमाल

जमीन अधिग्रहण का मुआवजा पाने वाले कम पढ़े-लिखे खाताधारक थे निशाने पर



यूनिक समय, नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पाई स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में करोड़ों रुपये की हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी दीपांशी शर्मा बीटेक पास है। बैंक में उसकी तैनाती कार्यालय सहायक यानी चपरासी के पद पर थी। आरोप है कि उसने बैंक मैनेजर समेत अन्य कर्मचारियों की यूजर आईडी और पासवर्ड याद कर लिए थे। इनके जरिए वह ग्राहकों के खातों से रकम निकालकर दूसरे खातों में ट्रांसफर करती थी। दीपांशी खासतौर पर उन खाताधारकों को निशाना बनाती थी, जिन्हें जमीन अधिग्रहण का मुआवजा मिला था। इनमें कम पढ़े-लिखे लोग शामिल थे। वह ग्राहकों को अपना निजी मोबाइल नंबर देती थी और बैंक आने की जानकारी मिलते ही बाहर पहुंचकर उन्हें बहाने से अंदर जाने से रोक देती थी। रकम छिपाने के लिए गांव के परिचितों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था।

इस मामले में सीबीआई ने दीपांशी और उसके सहयोगी आशुतोष कुमार पाठक को गिरफ्तार किया है। आशुतोष को पुणे से पकड़ा गया। सीबीआई के मुताबिक, खातों से 10.24 करोड़ रुपये की अनधिकृत निकासी हुई, जबकि शुरुआती शिकायतों में 35 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी का दावा किया गया था। एजेंसी अब अन्य आरोपियों और रकम के लेनदेन की जांच कर रही है। बताया गया है कि बैंक ने करीब 70 प्रतिशत खाताधारकों की रकम लौटाने का दावा किया है। हालांकि, कई लोग केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण वापस मिली रकम का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं।

अमेरिका के अमीरों में बढ़ा तीन बच्चे पैदा करने का चलन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के अमीर परिवारों में तीन या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इनके लिए बड़ा परिवार अब रुतबे और आर्थिक हैसियत की निशानी बन गया है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के सबसे अमीर 1% परिवारों में करीब आधे ऐसे हैं, जिनके तीन या उससे ज्यादा बच्चे हैं। वहीं, कम कमाई वाले परिवारों में यह आंकड़ा 40 से 43% के आसपास है। अर्थशास्त्री माइक कॉन्जल के मुताबिक, अमीरों के बीच तीसरा बच्चा स्टेटस सिंबल बन गया है। दूसरी ओर, महंगाई और परवरिश के बढ़ते खर्च के कारण मध्यमवर्गीय परिवार कम बच्चे पैदा करने को मजबूर हैं। लेंडिंगट्री की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में एक बच्चे को जन्म से 18 साल तक पालने में औसतन करीब 3 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। शुरुआती पांच वर्षों में सालाना खर्च लगभग 26 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। इसमें डे-केयर, भोजन, आवास, स्वास्थ्य बीमा और देखभाल का खर्च शामिल है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार पर 20 साल पुराने रिश्वत आरोपों की होगी जांच

केरलम में पीडब्ल्यूडी सचिव रहते 2 करोड़ मांगने का आरोप

गृहमंत्री ने विजिलेंस को दिए जांच के आदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ करीब 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की दोबारा जांच होगी। केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्निथला ने विजिलेंस विभाग को जांच के आदेश दिए हैं। मामला सड़क निर्माण परियोजना से जुड़ा है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य में पीडब्ल्यूडी सचिव थे। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएसटीपी) का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले उनसे 2 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। साजन के मुताबिक, इंजीनियरों ने करीब 17 करोड़ रुपये के बिल मंजूर कर दिए थे, लेकिन भुगतान के चेक रोक दिए गए। परियोजना के इंजीनियर ली सी बीन ने भी कथित तौर पर रिश्वत मांगने की जानकारी दी थी। आरोप है कि भुगतान में देरी और आर्थिक दबाव के चलते बीन ने 2006 में आत्महत्या कर ली थी। उनके सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने का दावा किया गया है। बीन की मौत के बाद 2006 में विजिलेंस जांच हुई थी, लेकिन आरोप साबित नहीं होने पर मामला बंद कर दिया गया।

अब नई जांच में पुराने मामले के साथ यह भी देखा जाएगा कि पिछली जांच में जरूरी पहलुओं और गवाहों से पूछताछ हुई थी या नहीं। ज्ञानेश कुमार ने आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि केरलम में इसी साल कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 140 में से 97 सीटें जीतकर दस साल बाद सत्ता में वापसी की है। कांग्रेस पहले से ही एसआईआर को लेकर ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठा रही है। हालांकि, रिश्वत मांगने के आरोप अभी साबित नहीं हुए हैं।

अग्निवीरों को बड़ा तोहफा, सेवा अब छह साल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने अग्निवीरों को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में अग्निवीरों की सेवा अवधि चार से बढ़ाकर छह साल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके तहत 25 प्रतिशत अग्निवीरों को योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर नियमित सैनिक बनाया जाएगा, जबकि बाकी 75 प्रतिशत को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार मिलेगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कार्यकाल के दौरान अग्निवीरों को बढ़ा हुआ वेतन और भत्ते भी दिए जाएंगे। दो साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद इच्छुक अग्निवीरों को निर्धारित चयन प्रक्रिया और प्रदर्शन के आकलन के आधार पर स्थायी पदों का मौका मिल सकता है। वर्ष 2022 में शुरू हुई अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती चार साल के लिए की गई थी। अब इस बदलाव से करीब 18 हजार अग्निवीरों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें जल्द ही सेवामुक्त होना था।

आईएनएस ब्रह्मपुत्र हादसा: दो नौसेना अधिकारियों का होगा कोर्ट मार्शल

युद्धपोत पलटने के मामले में ड्यूटी के दौरान लापरवाही का आरोप

दो साल बाद शुरू हुई कार्रवाई



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र के पलटने की घटना के करीब दो साल बाद दो अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इनमें जहाज के तत्कालीन कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन और ऑफिसर ऑफ द डे रहे लेफ्टिनेंट कमांडर शामिल हैं। दोनों पर ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप है। इसके अलावा कैप्टन पर युद्धपोत को खतरे में डालने का भी आरोप लगाया गया है। यह हादसा 21 जुलाई 2024 को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में मरम्मत के दौरान हुआ था। उस समय आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए जहाज में बड़ी मात्रा में पानी डाला गया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह एक तरफ झुककर पलट गया। इस घटना में लीडिंग सीमैन सितेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। कई नौसैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि कुछ को जान बचाने के लिए समुद्र में कूदना पड़ा था। हादसे के बाद नौसेना ने जांच के आदेश दिए और युद्धपोत को दोबारा सीधा करने के लिए कई महीनों तक सल्वेज ऑपरेशन चलाया। इसके बाद उसकी मरम्मत और बहाली का काम शुरू हुआ। फिलहाल आईएनएस ब्रह्मपुत्र का ट्रायल जारी है। उसे अभी दोबारा ऑपरेशनल सेवा में शामिल नहीं किया गया है। उम्मीद है कि 2027 तक यह समुद्र में संचालन के लिए तैयार हो जाएगा।

मिडटर्म चुनाव में हार के बाद झुके ट्रंप, डेमोक्रेट्स से मिलाएंगे हाथ

बोले-नतीजे स्वीकार करने को तैयार

विपक्ष के साथ मिलकर काम करने की कोशिश करेंगे



यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है। चुनावी नतीजों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है, जबकि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी वह बढ़त बनाए हुए है। इस हार के बीच ट्रंप ने नतीजों को स्वीकार करने की बात कही है। अमेरिकी समयानुसार मंगलवार रात एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह चुनाव परिणाम स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ट्रंप ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने की इच्छा भी जताई। उन्होंने कहा कि दोनों दल साथ काम करेंगे और किसी न किसी रास्ते पर सहमति बनाने की कोशिश करेंगे।

इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि वह खुद चुनाव मैदान में नहीं थे और अगर होते तो रिपब्लिकन पार्टी भारी बहुमत से जीतती। मिडटर्म चुनाव को ट्रंप के कार्यकाल पर जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा था।

एक घंटे देर से जागेंगे बांकेबिहारी, शाम को जल्दी होंगे शयन

11 नवंबर से बदलेगा दर्शन का समय शीतकालीन सेवा में केसर-मेवे का बढ़ेगा भोग



यूनिक समय, वृंदावन। सर्दियों की दस्तक के साथ ही आराध्य ठाकुर बांकेबिहारी की दिनचर्या भी बदलने जा रही है। अब ठाकुरजी सुबह एक घंटे देर से दर्शन देंगे और शाम को एक घंटे पहले शयन करेंगे। भाईदूज यानी 11 नवंबर से मंदिर में शीतकालीन सेवा व्यवस्था लागू हो जाएगी। इसके साथ ही दर्शन के समय से लेकर भोग और पोशाक तक में बदलाव देखने को मिलेगा। नई व्यवस्था के तहत सुबह मंदिर के पट 8:45 बजे खुलेंगे और दोपहर 1:30 बजे तक दर्शन होंगे। शाम को 4:30 बजे से रात 8:30 बजे तक श्रद्धालु आराध्य के दर्शन कर सकेंगे। वर्तमान में ग्रीष्मकालीन व्यवस्था के तहत सुबह 7:45 से दोपहर 12:30 बजे और शाम 5:30 से रात 9:30 बजे तक दर्शन होते हैं।

मंदिर के सेवायत हिमांशु गोस्वामी ने बताया कि मौसम के अनुरूप ठाकुरजी की सेवा और दिनचर्या में बदलाव की परंपरा है। शीतकाल में उन्हें अधिक विश्राम कराया जाता है। ठंड से बचाव के लिए केसरयुक्त हलवा, विशेष लड्डू, सूखे मेवे और गर्म तासीर वाले पकवानों का भोग बढ़ाया जाएगा। वहीं दूध-दही से बने तरल पदार्थों की मात्रा कम की जाएगी।

ठाकुरजी को गर्म कपड़ों से तैयार विशेष शीतकालीन पोशाक भी धारण कराई जाएगी। भक्तों के आराध्य की यह सेवा ब्रज की वात्सल्य परंपरा और ठाकुरजी के प्रति लाड़-दुलार का अनूठा स्वरूप है।

चांदी की हटरी में सजेंगे राधावल्लभ लाल, खेलेंगे चौसर

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली पर मंदिरों में सजावट और विशेष पूजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं, लेकिन ठाकुर राधावल्लभ मंदिर में उत्सव का रंग कुछ अलग ही होगा। यहां धनतेरस से पूर्णिमा तक ठाकुर राधावल्लभ लाल चांदी की भव्य हटरी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। दीपावली पर ठाकुरजी मोती और कीमती नगों से जड़ी लाल जरीदार पोशाक धारण करेंगे। इस दिन मंदिर में चौसर खेलने की परंपरा भी निभाई जाएगी।

छह नवंबर को धनतेरस से विशेष श्रृंगार दर्शन शुरू होंगे। ठाकुरजी चांदी की आकर्षक हटरी में विराजमान होंगे और लगातार 18 दिनों तक इसी स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। दीपावली के लिए जयपुर में विशेष लाल रंग



की जरीदार पोशाक तैयार कराई जा रही है। इसमें मोती और कीमती नगों का जड़ाव होगा। दीपावली की शाम ठाकुरजी इसी पोशाक में सजकर श्रीजी के साथ चौसर खेलेंगे। मंदिर की परंपरा में इस लीला का विशेष महत्व है।

उत्सव के दौरान ठाकुरजी को मंदिर की रसोई में तैयार लड्डू, मठरी, गुलाब जामुन, मेवों से बनी नमकीन, बादाम, पिस्ता और केसरयुक्त दूध का भोग अर्पित किया जाएगा। मंदिर के तिलकायत आचार्य मोहित मराल गोस्वामी ने बताया कि धनतेरस और दीपावली पर विशेष दर्शन की व्यवस्था रहेगी। नौ नवंबर को अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर ठाकुरजी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

दीपावली पर मोती-नगों की पोशाक में देंगे दर्शन

धनतेरस से पूर्णिमा तक 18 दिन सजेगा विशेष दरबार

जापानी छात्रों और प्रोफेसरों को खूब भायी ब्रज की धरोहर

राजकीय संग्रहालय की प्राचीन मूर्तियों और ऐतिहासिक विरासत को देख हुए अभिभूत



राजकीय संग्रहालय का भ्रमण करते जापान के छात्र और प्रोफेसर, साथ हैं संग्रहालय के उपनिदेशक।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर देश ही नहीं, विदेशों में भी लोगों को आकर्षित कर रही है। डेम्पियर नगर स्थित राजकीय संग्रहालय में सुरक्षित प्राचीन मूर्तियां, कलाकृतियां और ऐतिहासिक धरोहरें पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन्हें देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक और इतिहास में रुचि रखने वाले लोग पहुंचते हैं।

आज जापान से आए छात्रों और प्रोफेसरों के दल ने राजकीय संग्रहालय का भ्रमण किया। यहां की प्राचीन धरोहरों को देखकर वे काफी प्रभावित नजर आए।

जापान से आए दल ने संग्रहालय में रखी विभिन्न कालखंडों की प्राचीन मूर्तियों, कलाकृतियों और ऐतिहासिक वस्तुओं को बारीकी से देखा। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और ब्रज की संस्कृति से जुड़ी कथाओं और मथुरा के गौरवशाली इतिहास के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

संग्रहालय में मौजूद कलात्मक मूर्तियों की बनावट, उनकी प्राचीनता और ऐतिहासिक महत्व को जानने में जापानी छात्रों और प्रोफेसरों ने विशेष रुचि दिखाई। भ्रमण के दौरान उन्होंने कई जानकारियां हासिल कीं और धरोहरों को करीब से समझा। राजकीय संग्रहालय के उप निदेशक डॉ.योगेश कुमार ने बताया कि जापान से आए छात्रों और प्रोफेसरों के दल ने संग्रहालय का भ्रमण किया। यहां की प्राचीन मूर्तियों और ऐतिहासिक धरोहरों को देखकर सभी काफी खुश हुए।

उन्होंने मथुरा के इतिहास और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी विरासत के बारे में भी जानकारी ली।

दहेज में फ्लैट-दुकान की मांग, विवाहिता से मारपीट का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता मीनाक्षी शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत चार ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बजराज धाम नगर टाउनशिप निवासी मीनाक्षी ने पुलिस को बताया कि उनका विवाह सात फरवरी को किशोर नगर, औरंगाबाद निवासी यश शर्मा के साथ हुआ था। शादी में मायके पक्ष ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार सोने-चांदी के आभूषण, घरेलू सामान और नकदी समेत करीब 20 लाख रुपये खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के बाद पति यश शर्मा, ससुर रामभूल शर्मा, सास प्रवेश शर्मा और देवर फवनेश शर्मा दहेज में फ्लैट और दुकान की मांग कर उन्हें प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पांच जुलाई को देवर ने उनके साथ छेड़छाड़ और मारपीट की, विरोध करने पर कपड़े फाड़ दिए। शिकायत करने पर पति और अन्य ससुरालीजनों ने भी मारपीट की और जान से मारने का प्रयास किया। इसके बाद वह मायके में रहने लगी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस्कॉन के द्वार पर ई-रिक्शा चालकों का कब्जा, लगा जाम



इस्कॉन मंदिर के सामने सड़क को घेरे खड़े ई- रिक्शा।

सड़क को बना लिया पार्किंग स्थल, श्रद्धालुओं की राह रोकी

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन में ई-रिक्शा चालकों की मनमानी अब यातायात व्यवस्था पर भारी पड़ने लगी है। सड़कों पर जहां-तहां वाहन खड़े कर सवारियां भरने की आदत ने प्रमुख मंदिरों के आसपास जाम के हालात पैदा कर दिए हैं। बुधवार को इस्कॉन मंदिर के मुख्य द्वार के सामने भी ई-रिक्शा चालकों ने सड़क को पार्किंग स्थल बना लिया। बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण रास्ता संकरा हो गया और देखते ही देखते जाम लग गया। मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालु और राहगीर जाम में फंसकर परेशान होते रहे। इस्कॉन मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे व्यस्त धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार पर ही ई-रिक्शा खड़े होने से आवागमन बाधित हो गया। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को निकलने के लिए जगह नहीं मिली। कई वाहन चालक देर तक जाम में फंसे रहे, जबकि पैदल राहगीरों और श्रद्धालुओं को भी वाहनों के बीच से रास्ता बनाकर निकलना पड़ा।

शहर में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या के साथ चालकों की मनमानी भी यातायात के लिए मुसीबत बनती जा रही है। प्रमुख मंदिरों, चौराहों और व्यस्त मार्गों पर सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा अक्सर जाम की वजह बनते हैं।

इसके बावजूद यातायात व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदारों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही।

छठ पूजा की तैयारियां शुरू, पूर्वांचल समिति ने किया घाट का निरीक्षण



छठ पूजा को लेकर अड्डा घाट का निरीक्षण करते पूर्वांचल समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। छठ पूजा के आयोजन की तैयारियों को लेकर पूर्वांचल समिति के अध्यक्ष बीके सिंह ने समिति के सदस्यों के साथ अड्डा घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान घाट की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया गया। आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की गई।

समिति की ओर से डीएम और नगर आयुक्त से घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पानी के टैंकर, बायो टॉयलेट, यमुना तट पर फेंसिंग, अस्थायी घाट और पार्किंग स्थल की सफाई कराने का अनुरोध किया गया।

इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पंडाल, कारपेट और कुर्सियों की व्यवस्था और महिलाओं के लिए वस्त्र बदलने के चेंजिंग रूम बनवाने की मांग की गई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

घाट पर सफाई श्रद्धालुओं की सुविधाएं जुटाने का डीएम से किया अनुरोध

समिति अध्यक्ष बीके सिंह ने कहा कि छठ पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी होना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान समिति के सचिव डा. एस राय, संरक्षक राजीव सिंह, उपाध्यक्ष पवन कुमार, कोषाध्यक्ष मधुरेन्द्र सिंह, डा. एसएस सिंह, संतोष श्रीवास्तव, अम्बुज शर्मा, राकेश सिन्हा और दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रभु राम ने किया रावण का वध आतिशबाजी से जगमगाया मैदान

यूनिक समय, वृंदावन। रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में मंगलवार रात को रंग जी के बड़े बगीचा मैदान में रावण वध की लीला का भव्य मंचन किया गया। असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक इस आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने रावण दहन और आकर्षक आतिशबाजी का आनंद लिया।

लीला के दौरान भगवान राम और रावण के बीच भीषण युद्ध का मंचन हुआ। प्रभु राम के साथ लक्ष्मण, हनुमान और वानर सेना ने लंका की सेना से युद्ध किया। रावण पर बार-बार प्रहार के बावजूद उसका अंत नहीं हुआ। अंततः विभीषण की सलाह पर भगवान राम ने रावण की नाभि में स्थित अमृत को सुखाकर उसका वध कर दिया। रावण के धराशायी होते ही पूरा मैदान जय श्रीराम से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर खुशी जताई। इसके बाद रावण के प्रतीकात्मक पुतले का दहन किया गया।

इससे पहले विधायक श्रीकांत शर्मा, पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश गौतम, समाजसेवी विजय कुमार रिणवा और सीओ संदीप सिंह ने राम दरबार के चित्रपट का पूजन-दीप प्रज्ज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। आयोजन में कमेटी पदाधिकारियों के साथ पुलिस बल ने सुरक्षा-व्यवस्थाएं संभालीं। इस दौरान कोतवाली प्रभारी अश्विनी कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खेत की मेड़ काटने पर भिड़े परिवार के लोग

यूनिक समय, मथुरा। फरह थाना क्षेत्र के वरौदा गांव में खेत की मेड़ काटने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक व्यक्ति पर फावड़े और डंडों से हमला कर उसे गंभीर घायल करने का आरोप है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गांव निवासी सविता ने पुलिस को बताया कि 27 अक्टूबर की शाम वह अपने पति परन सिंह और बेटे भूपेंद्र के साथ खेत पर काम कर रही थीं। इसी दौरान उनके जेठ जयप्रकाश, मुकेश, राजन देवी, मिथिलेश और हेमंत वहां पहुंच गए। आरोप है कि मेड़ काटने को लेकर गाली-गलौज के बाद सभी ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसी बीच हेमंत ने उनके पति पर फावड़े से वार कर दिया। सिर पर डंडे से भी प्रहार किया गया, जिससे परन सिंह गंभीर घायल होकर बेहोश हो गए।

यमुना जल शुद्धिकरण की 300 करोड़ की योजना मंजूर, 40 पार्षदों ने उठाई थी मांग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन में पेयजल संकट के स्थायी समाधान और यमुना जल को शुद्ध कर उपयोग में लाने की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को हुई नगर निगम की बैठक में करीब 300 करोड़ रुपये की लागत वाली यमुना जल शुद्धिकरण योजना को मंजूरी दे दी गई। प्रस्ताव संख्या एक के तहत स्वीकृत इस योजना में 100 एमएलडी क्षमता का प्लांट स्थापित किया जाएगा, जहां एमवीवीआर तकनीक से यमुना जल का शोधन होगा। योजना से क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है।

इस योजना को मंजूरी दिलाने के लिए वार्ड 37 के पार्षद राजीव कुमार सिंह एडवोकेट ने लगातार पैरवी की। उन्होंने 22 मई, दो जुलाई, 22 जुलाई, 25 अगस्त और 21 सितंबर को नगर निगम अधिकारियों को पत्र भेजकर यमुना जल शुद्धिकरण योजना का मुद्दा उठाया था। इसके बाद करीब 40 पार्षदों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त पत्र देकर योजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू कराने की मांग की। सामूहिक प्रयासों के बाद नगर निगम की बैठक में प्रस्ताव पारित हुआ।

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी से भड़के धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। ब्राह्मण समाज और मंदिरों के पुजारियों को लेकर नेहा बोरा के कथित बयान पर धर्म रक्षा संघ ने कड़ी नाराजगी जताई है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणियां करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण ब्राह्मण समाज और मंदिरों के पुजारियों को एक साथ कठघरे में खड़ा करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। सौरभ गौड़ ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने सदियों से ज्ञान, संस्कृति, संस्कार और सनातन परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे समाज के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग निंदनीय है। उन्होंने नेहा बोरा के बयान पर सवाल उठाते हुए अन्य धार्मिक संस्थानों और समुदायों के संदर्भ में भी समान मानदंड अपनाने की बात कही। उन्होंने राहुल गांधी से भी सवाल किया कि क्या वह ऐसे बयानों का समर्थन करते हैं। सौरभ गौड़ ने सरकार से नेहा बोरा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की।